दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-219, शनिवार 25 जून 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"मैं कठिनाईयों से बचने की प्रार्थना नहीं करता हूं, बल्कि मैं उन्हें सहन करने के लिए पर्याप्त सामर्थ्य प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।"
- फिलिप ब्रूक्स

राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू ने नामांकन दाखिल किया, मोदी-शाह समेत 8 बड़े दिग्गज बने प्रस्तावक

बीजद और वायएसआर के कई नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने आज एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह के अलावा बीजू जनता दल और वायएसआर कांग्रेस के नेता भी मौजूद रहे। द्रौपदी मुर्मू ने 4 सेटों में नामांकन दाखिल किया गया।

द्रौपदी मुर्मू की राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, ललन सिंह, पशुपति पारस, रेणु देवी और तारकिशोर प्रसाद प्रस्तावक रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले मुर्मू ने संसद में महात्मा गांधी, डॉ अंबेडकर और बिरसा मुंडा की मूर्तियों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। 29 जून को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है।

द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं को फोन किया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नामांकन से पहले व्यक्तिगत रूप से सभी से बात की और समर्थन मांगा। हाल तीनों बड़े नेताओं ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले गुरुवार को द्रौपदी मुर्मू पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इसके बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के घर पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन के लिए प्रस्तावक और समर्थक के तौर पर नॉमिनेशन पेपर पर हस्ताक्षर किए गए।

समर्थन में आए जगन आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड ?डी ने गुरूवार को ऐलान किया है कि उनकी पार्टी राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। सीएम जगन का मानना है कि मुर्मू का समर्थन करना एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधित्व पर हमेशा जोर देने की उनकी विचारधारा के अनुरूप है। जगन बिजी शेड्यूल के कारण मुर्मू द्वारा नामांकन दाखिल करने में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि, राज्यसभा सांसद विजयसाई रेड्डी और लोकसभा सांसद मिधुन रेड्डी मौजूद रहेंगे।

ये पार्टियां भी समर्थन में

- ओडिशा की बीजू जनता दल पहले ही मुर्मू के समर्थन की घोषणा कर चुकी है।
- मेघालय जनतांत्रिक गठबंधन (एमडीए) ने भी समर्थन करने की घोषणा की है।
- सिक्किम के मुख्यमंत्री और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।
- बिहार की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने भी समर्थन करने की घोषणा की है।
- एलजेपी (रामविलास) भी मुर्मू के समर्थन की घोषणा कर चुकी है।

देश को मिल सकता है पहला आदिवासी राष्ट्रपति

देश में अब तक आदिवासी समुदाय का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति नहीं बन पाया है। महिला, दलित, मुस्लिम और दक्षिण भारत से आने वाले लोग राष्ट्रपति बन चुके हैं, लेकिन आदिवासी समुदाय इससे वंचित रहा है। ऐसे में यह मांग उठती रही है कि दलित समाज से भी किसी व्यक्ति को देश के सर्वोच्च पद पर बैठाया जाए।

आखिरी तारीख 29 जून

वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। अगले महीने की 25 तारीख को देश को नया राष्ट्रपति मिलेगा। 15 जून को नए राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 29 जून है। अगर चुनाव कराने की जरूरत पड़ती है, तो यह 18 जुलाई को कराए जाएंगे और 21 जुलाई को ही नतीजे आ जाएंगे।

रायपुर में भाजपा पार्षदों का हंगामा

नल कनेक्शन में घटिया काम, स्मार्ट सिटी योजना में घोटाले का आरोप लगाकर की नारेबाजी

रायपुर। रायपुर नगर निगम के मुख्यालय को भाजपा पार्षदों ने घेर दिया। शुक्रवार को बड़ी तादाद में अलग-अलग वार्ड के पार्षद अपने समर्थकों के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी करने लगे। इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा के जिला स्तर के नेता भी शामिल हुए।

रायपुर नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने बताया कि नगर निगम प्रशासन जनता को सुविधा देने के मामले में कोई काम नहीं कर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमृत मिशन योजना के तहत बेहद स्तरहीन कार्य चल रहा है , प्रधानमंत्री आवास योजना और स्मार्ट सिटी योजना में घोटाले हो रहे हैं, शहर में जल संकट है कई इलाकों में जलभराव हो रहा है। मगर निगम प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा। इन्हीं मुद्दों को लेकर शुक्रवार की दोपहर नगर निगम मुख्यालय पहुंचे पार्षदों ने नगर निगम के गेट के बाहर बैठ कर नारेबाजी शुरू कर दी। सब ने हाथ में अलग-अलग नारे लिखी तख्तियां ले रखी थी। सभी ने महापौर एजाज ढेबर पर लोगों के हितों के लिए काम न करने के आरोप लगाए।

महाराष्ट्र: शिंदे ने किया 50 विधायकों के समर्थन का दावा

37 ने डिप्टी स्पीकर को लिखा खत राउत ने कहा- हम झुकेंगे नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ उनके साथ 50 विधायक हैं। इसमें 40 शिवसेना के हैं। एकनाथ शिंद साथी बागी विधायकों के साथ इस समय असम में मौजूद हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक एकनाथ शिंदे ने कहा कि लगभग 40 शिवसेना के विधायक साथ हैं। जिन्हें हम पर भरोसा है, वे हमारे साथ जुड़ेंगे। शिंदे ने यह भी कहा कि बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने के लिए उठाया गया कदम अवैध है।

उन्होंने कहा कि कल जो किया गया वह अवैध है, उनका कोई अधिकार नहीं है। हम बहुसंख्यक लोग हैं और लोकतंत्र में संख्या महत्वपूर्ण हैं। यह अवैध है, यहां तक कि वे इस तरह का निलंबन भी नहीं कर सकते। हम इससे नहीं डरेंगे। बता दें कि सामने आ रही रिपोर्ट्स के अनुसार शिंदे जरूरी 37 विधायकों की संख्या जुटा चुके हैं। इससे दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन किए बिना विधानसभा में पार्टी को विभाजित किया जा सकता है। खबरों के अनुसार कल तक शिंदे साथ शिवसेना के 37 विधायक और 9 निर्दलीय थे।

उधर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शरद पवार, संजय राउत, अनिल देसाई और दिलीप वलसे पाटिल के बीच मीटिंग हुई है। मीटिंग के बाद राउत ने कहा कि बातचीत का वक्त खत्म हो गया है। अब हम बागियों को बताएंगे कि शिवसेना क्या है उन्होंने कहा कि अब हम हार नहीं मानेंगे। संजय राउत ने आज कहा है कि हम नहीं झुकेंगे... हम विधानसभा में विश्वास मत जीतकर दिखाएंगे। अगर यह लड़ाई सड़कों पर लड़ी गई तो हम उसे भी जीतेंगे। जो चले गए उन्हें हमने वापस आने का मौका दिया, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है। मैं उन्हें विधानसभा में फ्लोर पर आने की चुनौती देता हूं। महाविकास अघाड़ी सरकार बाकी 2.5 साल पूरे करेगी।

37 विधायकों के हस्ताक्षर वाली चिट्ठी भेजी

महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे ने खुद को विधायक दल का नेता घोषित कर दिया है। उन्होंने डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल को एक चिट्ठी भेजी है, जिसमें उनके समर्थन में 37 विधायकों के हस्ताक्षर हैं। वहीं शिंदे कैंप को अब तक 14 निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिल चुका है। 5 निर्दलीय विधायक गुरुवार देर रात मुंबई से सूरत पहुंचे और गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए हैं। वहीं, 9 निर्दलीय विधायक राजकुमार पटेल, चंद्रकांत पाटिल, नरेंद्र भोंडेकर, किशोर जोर्गेवार, मंजुला गावित, विनोद अग्रवाल, गीता जैन, बच्चू कडू और राजेंद्र यडरावकर पहले से ही गुवाहाटी में मौजूद हैं।

मेक्सिको में पुलिस व सशस्त्र नागरिकों में झड़प, 12 की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के जलिस्को राज्य के एल साल्टो शहर में पुलिस व सशस्त्र नागरिकों के बीच हिंसक झड़प की खबर है। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई। राज्य के गवर्नर एनरिक अल्फारो ने इस घटना की पुष्टि की। अल्फारो ने गुरुवार को ट्विटर पर बताया कि मारे गए लोगों में चार पुलिसकर्मी भी हैं। सशस्त्र नागरिक एक घर से गोलियां चला रहे थे। उन्होंने कहा कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आठ हमलावरों को मार गिराया, जबकि तीन घायल हो गए। गवर्नर ने कहा कि दुर्भाग्य से मुठभेड़ के दौरान चार पुलिसकर्मियों की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि जलिस्को में आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने इसकी रोकथाम के लिए गत मार्च में राजय में ज्वाइंट टास्क फोर्स तैनात किया था।

अंतरराष्ट्रीय यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए भारत नागरिकों के लिए ई-पासपोर्ट जल्द शुरू करेगा : एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर एक संदेश दिया । उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय यात्रा को ओर आसान बनाने जा रही है। जयशंकर ने बताया कि पहचान की चोरी और डेटा सुरक्षा के खिलाफ सुरक्षा को सक्षम करने के लिए भारत जल्द ही ई-पासपोर्ट शुरू करने जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्रीय पासपोर्ट संगठन के साथ विदेश मंत्रालय इस अवसर को चिह्नित कर रहा है और भारत के नागरिकों को समय पर, विश्वसनीय,

सुलभ, पारदर्शी और कुशल तरीके से पासपोर्ट और पासपोर्ट से संबंधित सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है। पासपोर्ट सेवा दिवस 2022 के अवसर पर भारत और विदेशों में हमारे सभी पासपोर्ट जारी करने वाले प्राधिकरणों के साथ जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। विदेश मंत्री ने उल्लेख किया कि कोविड -19 महामारी के परीक्षण समय के दौरान भी पासपोर्ट सेवाएं प्रदान की गईं। जयशंकर ने बताया, मंत्रालय इस अवसर पर दो और महामारी के आधे साल, और पिछले एक महीने में दिए गए 4.50 लाख अतिरिक्त आवेदनों के साथ, 9.0 लाख के प्रभावशाली मासिक औसत के साथ तेजी से निपटा, और देश ने इस प्रकार एक रिकार्ड स्थापित किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, जब हम इस साल 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस मना रहे हैं, हम नागरिक अनुभव के अगले स्तर को प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को हम जारी रखेंगे। जयशंकर ने कहा कि सरकार बीते समय में नागरिकों के लिए पासपोर्ट नियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाने में बहुत सफल रही है। उन्होंने कहा, पासपोर्ट वितरण पारिस्थितिकी तंत्र को और सुगम बनाने के लिए, मंत्रालय पुलिस सत्यापन में लगने वाले समय को कम करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के साथ लगातार काम कर रहा है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सुनीं लोगों की समस्याएं

दतिया। मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शुक्रवार को दतिया में अपने निवास पर क्षेत्रवासियों से मेल-मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना एवं इस संवाद में जनसमस्याओं को जानकर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।

डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने वीएल— एसआरएसएएम मिसाइल का सफलतापूर्वक किया परीक्षण, राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना को आज एक बड़ी सफलता मिली है। भारती नौसेना के अधिकारियों ने वर्टिकल लान्च शार्ट रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल (एसआरएसएएम) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। समाचार एजेंसी एएनआइ ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर के तट पर भारतीय नौसेना के जहाज से किया गया।

भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परीक्षण से जुड़ी कुछ तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं हैं। उन्होंने लिखा कि डीआरडीओ और भारतीय नौसेना को वर्टिकल लान्च शार्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण के लिए ढ़ेरों बधाई। यह सफलता हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी।

नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि इस स्वदेशी मिसाइल प्रणाली के विकास से भारतीय नौसेना की रक्षात्मक क्षमता बढ़ेगी।

रक्षा विभाग में आर एंड डी के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डाक्टर जी सतीश रेड्डी ने कहा कि परीक्षण ने भारतीय नौसेना के जहाजों पर स्वदेशी

हथियार प्रणाली के एकीकरण को साबित कर दिया है। वीएल-एसआरएसएएम भारतीय नौसेना के लिए बेहद ताकतवर साबित होगी। डाक्टर जी सतीश रेड्डी ने मिसाइल प्रणाली को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मानिर्भर भारत मिशन की दिशा में एक और मील का पत्थर बताया है।

हवाई खतरों को बेअसर करना हुआ अब और भी ज्यादा आसान: वीएल-एसआरएसएएम एक जहाज से चलने वाली हथियार प्रणाली है और इसका उद्देश्य समुद्री-स्किमिंग लक्ष्यों सहित नजदीकी सीमाओं पर हवाई खतरों को बेअसर करना है।

बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या, 9 साल पुराने मामले में सुको ने सुनाई फांसी की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान की एक बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोषी दरिंदे को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि ये अपराध क्रूर और अमानवीय था। जस्टिस एएम खानविलकर, दिनेश माहेश्वरी और सीटी रविकुमार की पीठ ने दोषी को सजा सुनाई। साथ ही अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया।

शीर्ष अदालत ने इस तथ्य पर गौर किया कि दोषी ने लालच देकर बच्ची को विश्वास में लिया और उसे बाइक पर जबरन बिठाकर ले गया। इसके बाद उसने बच्ची के साथ क्रूरता और अमानवीय रूप से दुष्कर्म किया गया था। अदालत ने कहा कि ये घटना अंतरात्मा को झकझोर देती है। विशेष रूप से जिस तरह से साढ़े सात साल की मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर बेरहमी से उसका कत्ल कर दिया गया। दोषी ने पीड़िता का सिर कुचला।

भोपाल में पंचायत चुनाव आज

220 ग्राम पंचायतों में कल वोटिंग फंदा-बैरसिया में 575 बूथ; टीमें रवाना

भोपाल

भोपाल जिले में पंचायत चुनाव के लिए 25 जून को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग होगी। इसके लिए फंदा और बैरसिया में कुल 575 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। जहां पर टीमें रवाना कर दी गई है। अधिकांश बूथ स्कूल, सामुदायिक भवन या आंगनवाड़ी केंद्रों में बने हैं। बारिश को देखते हुए बाहर बरसाती या टेंट की व्यवस्था की गई है। जिपं सीईओ ऋतुराज समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। फंदा जनपद में 96 और

बैरसिया में 126 ग्राम पंचायतें हैं। दो पंचायतें निर्विरोध चुन ली गई हैं। ऐसे में कुल 222 की बजाय 220 पंचायतों में सरपंच-पंच के चुनाव होंगे। वहीं, जिला पंचायत के 10 और दोनों जनपदों के 49 सदस्यों के लिए मतदान होगा। एक जनपद में सदस्य निर्विरोध चुना गया है।

सुबह 6 बजे से टीमें रवाना की, दोपहर तक बूथ पर पहुंची:- फंदा जनपद की ग्राम पंचायतों के लिए मॉडल स्कूल से चुनाव सामग्री वितरित की गई। दोपहर 12 बजे बाद लगभग सभी टीमें बूथ की ओर रवाना हो गई। दोपहर तक टीमें पहुंच गईं। वहीं, बैरसिया जनपद के लिए करोंद थाने से टीमें पोलिंग बूथ की ओर रवाना हुईं।

मतदान दल में इतने कर्मचारी:- एक मतदान दल में पांच से छह कर्मचारी शामिल हैं। वहीं, पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। फंदा जनपद में 266 और बैरसिया में 309 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सवा 3 लाख से ज्यादा मतदाता वोट डालेंगे।

एम्स के नए डायरेक्टर बने डॉ. अजय सिंह

PGCH नोएडा के डायरेक्टर को दी एम्स भोपाल की जिम्मेदारी

भोपाल।

राजधानी भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के डायरेक्टर की नियुक्ति डेपुटेशन के आधार पर की गई है। वे फिलहाल नोएडा के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ में डायरेक्टर हैं। डॉ. अजय सिंह ने लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस और एमएस करने के बाद वे चलरू में ही पीडियाट्रिक्स ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट के एचओडी रह चुके हैं। अब उन्हें एम्स भोपाल का डायरेक्टर बनाया गया है। केन्द्र सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

सात महीने बाद मिले फुलटाइम डायरेक्टर:- एम्स भोपाल के डायरेक्टर से डॉ.सरमन सिंह का कार्यकाल 8 नवंबर को खत्म हो गया था। डॉ.सरमन सिंह के रिटायरमेंट के बाद एम्स रायपुर के डायरेक्टर डॉ.नितिन नागरकर को भोपाल एम्स का भी प्रभार दिया गया था। अब केन्द्र सरकार ने करीब सात महीने बाद डॉ.अजय सिंह को डेप्युटेशन पर 30 जून 2028 तक के लिए नियुक्त किया है।

नए DDA ने भी किया ज्वाइन

एम्स भोपाल में नए उपनिदेशक (प्रशासन) की भी नियुक्ति हुई है। करीब एक हफ्ते पहले भारतीय सेना के अधिकारी कर्नल अजीत कुमार को नया डिप्टी डायरेक्टर (एडमिन) बनाकर भेजा है। डीडीए डॉ.श्रमदीप सिन्हा का कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रतिनियुक्ति पर कर्नल अजीत कुमार की नियुक्ति हुई है।

न्यूज ब्रीफ

मतदाता निर्भीक होकर करें मतदान : राज्य निर्वाचन आयुक्त

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने कहा है कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गयी है। श्री सिंह ने मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। मतदान जरूर करें। शनिवार 25 जून को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। मतदान के तुरन्त बाद मतदान केन्द्र में ही मतगणना होगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने बताया है कि सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गयी है। अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। निर्वाचन कार्य में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। प्रथम चरण के मतदान के लिए 52 हजार से अधिक पुलिस बल की ड्युटी लगायी गयी है। प्रथम चरण में 52 जिलों के 115 विकासखण्ड की 8702 ग्राम पंचायतों के 26 हजार 902 मतदान केन्द्रों में मतदान होगा। इनमें से 22 हजार 915 सामान्य और 3 हजार 989 संवेदनशील मतदान केन्द्र हैं। इन केन्द्रों पर शनिवार को मतदान होगा। मतदान के दिन इन निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानीय अवकाश रहेगा। श्री सिंह ने कहा है कि मतदाता मतदान करने जाते समय अपना पहचान-पत्र जरूर ले जायें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिल्ली प्रवास पर किया पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली प्रवास के दौरान चाणक्यपुरी स्थित अपोस्टोलिक नुनसिएचर के निकट कौटिल्य मार्ग पर पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चंपा का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पौध-रोपण के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वे पर्यावरण-संरक्षण के लिए प्रतिदिन पौधे लगाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भावी पीढ़ी को लिए एक अच्छी धरती छोड़ कर जाने के लिए जरूरी है कि सभी लोग जन्म-दिन, पुण्य-तिथि और वैवाहिक वर्षगाँठ जैसे अवसरों पर पौधे अवश्य लगाये। उन्होंने कहा कि ऐसा कर हम केवल पेड़ ही नहीं बल्कि जिंदगी की साँसें भी लगाते हैं।

अब तक 1062 गैर लाइसेंसी हथियार जप्त

भोपाल। पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 में प्रदेश में कानून व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। अभी तक प्रदेश में 1062 गैर लाइसेंसी हथियार जप्त किये जा चुके हैं। प्रदेश में 2 लाख 56 हजार लाइसेंसी हथियार जमा करवाये गए हैं। प्रिवेन्टिव सेक्सन ऑफ सीआरपीसी में एक लाख 36 हजार 521 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। अभी तक 15 हजार 907 ग़ैर जमानती वारंट की तामीलीभी की गयी है।

पत्नी ने कारोबारी पति को पीटकर घर से निकाला, एफआईआर

भोपाल। भोपाल में एक महिला ने अपनी मां के साथ मिलकर पति से मारपीट कर दी। इतना ही नहीं उन्होंने घटना के सबूत मिटाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी फुटेज भी हटा दिए। कारोबारी का आरोप है कि उनकी अनुपस्थिति में उनकी पत्नी ने सास और ससुर के साथ मिलकर मकान का ताला तोड़कर घर पर कब्जा कर लिया। उन्हें घर से निकाल दिया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर पति-पत्नी पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। गोपाल नगर में रहने वाले 40 साल के बृजेश सिंह रेत-गिट्टी के कारोबारी हैं। उन्होंने बताया कि उनका और उनकी पत्नी का तीन साल से विवाद चल रहा है। उनकी पत्नी ने तलाक के लिए 40 लाख रुपए की मांग की थी। उन्होंने अपना एक मकान भी पत्नी के नाम ही किया है। पैसे नहीं होने के कारण उन्होंने तलाक देने से मना कर दिया। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे वे घर पहुंचे तो उनकी पत्नी, सास और ससुर घर का ताला तोड़ रहे थे। मैंने कहा कि ताला क्यों तोड़ रहे हो। हमसे चाबी ले लेते। इससे नाराज होकर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। पत्नी ने कलर पकड़ी और सास ने जोर से धक्का दे दिया। इससे उनके सीने में चोट भी लग गई। मौके से ही डायल 100 को कॉल किया। पुलिस के पहुंचने के बाद भी उनकी पत्नी और सास नहीं मानी। पुलिस हमें पुलिस स्टेशन ले आई। यहां पर भी पत्नी और सास झगड़ा करते रहे। पुलिस ने दोनों पक्षों पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने धाराओं में मामला दर्ज किया है। बृजेश ने बताया कि वे रेट और गिट्टी का कारोबार करते हैं। उनके नाम पर अयोध्या नगर में दो प्लाट हैं। इसके अलावा एक डूप्लैक्स और फ्लैट है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने एसओएस बालग्राम पहुँच कर दिव्यांग बच्चों को आत्मीयता का अहसास कराया।

कृषि मंत्री ने दुलारा बालक मोक्ष को

» सूचना मिलते ही मोक्ष के उपचार का कराया था प्रबंध

भोपाल

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बालक मोक्ष दुबे को दुलार कर स्नेहाशीष दिया। मंत्री श्री पटेल का आज हरदा जिले के भ्रमण के दौरान ग्राम नयापुरा में श्री प्रमोद दुबे ने आभार व्यक्त किया। श्री दुबे ने बताया कि उनके बेटे मोक्ष के उपचार के सारे प्रबंध मंत्री श्री पटेल ने दूरभाष पर सूचना मिलने पर ही कराये थे। इंदौर के यूनिक अस्पताल में मोक्ष के पैर का समुचित उपचार हुआ, जिसकी बदौलत आज मोक्ष अपने पैरों पर दौड़ने लगा है। उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री पटेल जरूरतमंद लोगों के उपचार के लिये सदैव तत्पर रहते हैं। श्री पटेल क्षेत्र के लोगों का उपचार आवश्यकतानुसार इंदौर, भोपाल और अन्य शहरों के बड़े अस्पतालों कराने के प्रबंध करते हैं। वे स्वेच्छानुदान मद से भी उपचार के लिये आवश्यक राशि उपलब्ध कराते हैं। साथ ही अस्पतालों में दूरभाष पर मरीजों एवं अस्पताल प्रबंधन से सतत सम्पर्क में रहते हैं। मंत्री श्री पटेल कहते हैं कि गरीबों के उपचार की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। मंत्री श्री पटेल ने हंडिया तहसील के ग्राम नयापुरा में पहुँचकर मोक्ष को दुलारा और उसके पिता सहित अन्य लोगों को भी आश्वस्त किया कि जब भी क्षेत्र के लोगों को उनकी आवश्यकता होगी, वे सदैव आवश्यक मदद के लिये उपलब्ध रहेंगे।

कलियासोत डैम में 19 मगरमच्छ जन्मे, 4 मादा अंडों के साथ रह रहीं

भोपाल। बाघों का गढ़ भोपाल जल्द ही मगरमच्छों का भी गढ़ बन जाएगा। यहां कलियासोत डैम में एक मादा मगरमच्छ ने 19 बच्चे जन्मे हैं। जबकि चार अन्य मादाओं ने अपने अंडे घोंसलों में रखे हुए हैं। इन अंडों में से बच्चे निकले तो यहां मगरमच्छों की संख्या बढ़कर 76 तक हो जाएगी। यह खुलासा भोपाल वन मंडल, भोपाल बर्ड संस्था द्वारा कराए गए एक नाइट सर्वे में हुआ। ऐसा देश में पहली बार हुआ है, जब घड़ियालों-मगरमच्छों के लिए मशहूर चंबल सेंचुरी के बाहर किसी शहर में जलीय जीवों का नाइट सर्वे हुआ हो।

राज्यपाल श्री पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम भोपाल के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

राज्यपाल को बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने आशा है तो मुमकिन है का दिखाया दम

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम खजुरीकलाँ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल की उपस्थिति में बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने आशा है तो मुमकिन है का दम दिखाया। बच्चों ने इस प्रस्तुति के साथ शिव तांडव और कन्या उत्सव की दिव्य समवेत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया। सांकेतिक भाषा में राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता बालग्राम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी बालक विजय, बालिका डॉली, मणिमेघलाई और सृजनात्मक प्रतिभा की धनी मधु को सम्मानित कर, उनका मनोबल बढ़ाया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों को आत्मीयता का अहसास कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मानव सेवा ही प्रभु सेवा है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी की सेवा का अवसर ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी की तरह कोमल होते हैं। उनकी उचित देखभाल का दायित्व पालक और शिक्षक पर है। उनकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को भेदभाव रहित वातावरण मिलें। सकारात्मकता के साथ वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि बच्चों में पारस्परिक सहयोग, सद्भाव और नियमितता के गुणों के साथ ही पर्यावरण, ऊर्जा, जल-संरक्षण और स्वच्छता की आदत डालने और स्वयं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सजग बनाने के प्रयास जरूरी हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने टेलीविजन के कार्यक्रम का दृष्टांत देते हुए कहा कि अनेक ऐसे दिव्यांगजन हैं, जिन्होंने शारीरिक अभावों अथवा कमजोरियों को प्रेरणा बना कर, दिव्यांगता को व्यक्तिगत विकास में सहयोगी बना लिया है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट से छोटे शहरों के व्यापारी भी कर सकेंगे व्यापार

भोपाल

जल्द ही राज्य के कस्बों और देहातों के छोटे व्यापारी और कुटीर उद्योग चलाने वाले ग्रामीण अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन कंपनियों के माध्यम से व्यापार कर सकेंगे। वे न केवल इन ऑनलाइन कंपनियों से माल लेकर बेच सकेंगे, बल्कि यही माल दूसरे शहरों में बेच भी सकेंगे। 28-29 जून को प्रस्तावित जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार यह प्रस्ताव लाने जा रही है। इसके मुताबिक 1.5 करोड़ रु. के सालाना टर्नओवर वाले व्यापारी भी ई कॉमर्स के जरिए व्यापार कर सकेंगे। अभी यह सुविधा केवल 1.5 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाले व्यापारियों को भी मिली हुई है। जीएसटी काउंसिल में एक अन्य प्रस्तावित बदलाव व्यापारियों की परेशानी बढ़ाने का काम करेगा। इसके अनुसार अब राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) और सेंट्रल जीएसटी दोनों किसी भी व्यापारी को नोटिस भेज सकेंगे। अभी राज्य और केंद्र के बीच व्यापारी बंटे हुए थे। इसलिए जो व्यापारी जहां पंजीकृत है, उसे वहीं विभाग ही नोटिस भेज सकता है।

भोपाल के कैसे-कैसे पंचायत उम्मीदवार

किसी के पास जीरो तो कोई 10 करोड़ की संपत्ति का मालिक, डॉक्टर-वकील भी मैदान में

भोपाल

भोपाल में 25 जून को पंचायत चुनाव होंगे। सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक वोटिंग होगी। चुनाव में पंच, सरपंच, जनपद और जिला पंचायत सदस्य मिलाकर करीब 3 हजार कैंडिडेट्स अपनी किस्मत आजमाएंगे। जिपं के सदस्य ही अध्यक्ष चुनेंगे, इसलिए सदस्य के लिए कुल 79 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें लगभग 25% कैंडिडेट्स करोड़पति हैं। किसी के पास जीरो संपत्ति है, तो कोई 10 करोड़ रुपए की संपत्ति का मालिक है। 64% उम्मीदवार पढ़े-लिखे हैं। वे स्कूल, स्स्ट, रूजैसी कई डिग्रियां हासिल कर चुके हैं। दूसरी ओर, 5 जी कैंडिडेट्स ही ऐसे हैं, जिन पर कोई आपराधिक केस दर्ज हुआ हो। अब इनकी किस्मत जनता के हाथ में है, जो इन्हें चुनेगी वार्ड-3 से उतरे लखनलाल शर्मा की उम्र 75 साल है। वहीं, सबसे छोटी नीतू खत्री है, जो वार्ड-9 से किस्मत आजमा रही हैं। वार्ड-6 से उतरी राजेश्वरी वशिष्ठ की उम्र 26 और वार्ड-4 के कैंडिडेट अमित शर्मा 28 साल के हैं।

3 लाख से ज्यादा वोटर चुनेंगे गांव की सरकार:- भोपाल में पहले चरण में 25 जून को वोटिंग होगी। फंदा और बैरसिया जनपदों में सवा 3 लाख से ज्यादा मतदाता मतदान करेंगे। फंदा में 266 और बैरसिया में 309 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां मतदाता वोटिंग कर सकेंगे। जिला पंचायत सदस्य के तौर पर मैदान में उतरे 79 कैंडिडेट्स में से सबसे ज्यादा 38 कैंडिडेट किसान हैं। उन्होंने अपना व्यवसाय कृषि बताया है। वहीं, 26 महिलाओं ने गृहिणी होने की जानकारी दी। 3 वकील, दो डॉक्टर, एक शिक्षक और प्राइवेट जॉब करने वाले 5 कैंडिडेट हैं। वहीं, 1-1 बेरोजगार, ठेकेदार, मजदूर और समाजसेविका हैं।

मतदाता पहचान-पत्र लेकर जायें मतदान करने : राज्य निर्वाचन आयुक्त

भोपाल

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए दस्तावेजों की सूची जारी कर दी गयी है। उन्होंने कहा है कि मतदाता पहचान-पत्र लेकर मतदान करने जायें, जिससे मतदान केन्द्र में कोई कठिनाई नहीं हो। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि वोटर स्लिप, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया मतदाता पहचान-पत्र, आधार कार्ड, भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका, राशन कार्ड (सभी सफेद, नीला, पीला एवं गुलाबी), बैंक/किसान/डाकघर पासबुक, शस्त्र लाइसेंस, सम्पत्ति दस्तावेज़ जैसे पट्टा, रजिस्ट्रीकृत विलेख आदि, विकलांगता प्रमाण-पत्र, निराश्रित प्रमाण-पत्र, तेंदूपत्ता संग्राहक पहचान-पत्र, सहकारी समिति का अंश प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स, आयकर पहचान-पत्र, राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले सेवा पहचान पत्र, छात्र पहचान-पत्र, सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी अ.जा./अ.ज.जा./ अन्य पिछड़ा वर्ग/ अधिवासी प्रमाण-पत्र, पेंशन दस्तावेज़ जैसे कि भूतपूर्व सैनिक पेंशन बुक/पेंशन अदायगी आदेश/ भूतपूर्व सैनिक, विधवा/ आश्रित प्रमाण-पत्र, रेलवे पहचान-पत्र, स्वतंत्रता सेनानी पहचान पत्र और रोजगार गारंटी योजना में जारी फोटोयुक्त जॉबकार्ड। इस सूची में दर्शाए गए अभिलेखों के अतिरिक्त पीठासीन अधिकारी ऐसा कोई अन्य अभिलेख भी स्वीकार कर सकेगा जिससे वह मतदाता की पहचान के संबंध में संतुष्ट हो सके। यह स्पष्ट किया गया है कि ऊपर दर्शाए गए कोई दस्तावेज, जो परिवार के मुखिया के पास ही उपलब्ध होता है, की परिवार के दूसरे सदस्यों की पहचान के लिए अनुमति दी जायेगी। इसी प्रकार से परिवार के किसी दूसरे सदस्य के नाम से कोई दस्तावेज़ अन्य सदस्यों की पहचान के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है, बशर्ते ऐसे दस्तावेज़ के आधार पर दूसरे सदस्यों की पहचान की जा सकती हो। यदि कोई मतदाता कोई भी दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो पीठासीन अधिकारी स्थानीय कोटवार, पटवारी, शिक्षक, ग्राम पटेल, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, आँगनवाड़ी सहायिका इत्यादि कर्मियों या किसी प्रतिष्ठित स्थानीय निवासी से उसकी पहचान स्थापित कराने के बाद, उसे मतदान की सुविधा दे सकेगा।

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश चोरी घटना को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

दो अलग-अलग प्रकरणों का खुलासा कर चोरी गया मशरूका मोटरसाइकिल को किया गया बरामद

घटना में शामिल अन्य फरार अभियुक्तगण को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार

भाटापारा। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा द्वारा आयोजित समीक्षा मीटिंग में संपत्ति संबंधी अपराध जैसे चोरी ,लूट एवं नकबजनी के प्रकरणों में आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देश दिया गया था जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पितांबर पटेल एवम अनुविभागीय पुलिस अधिकारी भाटापारा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण रोशन राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा, ग्राम मोपका एवं दतरेंगा, मैं घटित मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरण मैं जमीनी स्तर पर कार्य कर आसपास व सरहदी जिलों के थानों मैं मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरणों में पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त गणों के संबंध में जानकारी एकत्रित किया जा रहा था इसी दरमियान विश्वस्त सूत्रों के माध्यम से सूचना मिली की शंभू भास्कर पिता रमे भास्कर उम्र 22 वर्ष ग्राम चौकी मारो थाना नाँदघाट जिला बेमेतरा का अपने साथियों के साथ पूर्व में जेल में बंद था उक्त सूचना के आधार पर आरोपी शंभू भास्कर का लगातार रेकी कर पकड़ा गया जिन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उक्त दोनों घटना को अंजाम देना बताया आरोपी को गिरफ्तार कर दोनों मोटरसाइकिल को बरामद किया गया फ़रार अन्य आरोपियों का पता तलाश जारी है

शीघ्र गिरफ्तार किया। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी नीतीश कुमार वर्मा पिता अनिल कुमार वर्मा उम्र 31 वर्ष ग्राम दतरेंगा थाना भाटापारा ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक 11 .10.2021 के मध्य रात्रि कोई अज्ञात आरोपी श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड द्वारा सीज, मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी-22-एच8185 को इसके घर के पास से कोई अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 524/2021 धारा 379 भादवी कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार दूसरे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शशि कुमार जांगड़े पिता दूज राम जांगड़े उम्र 29 वर्ष ग्राम मोपका, थाना भाटापारा ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22.03.2021 के मध्य रात्रि कोई अज्ञात आरोपी इसके मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्त-22-ll-8416, को कोई अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध क्र 02/2022 धारा 379 भादवि दिनांक 02.01.2022 को कायम कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम पताः

शंभू भास्कर पिता रमे भास्कर उम्र 22 वर्ष ग्राम चौकी मारो थाना नाँदघाट जिला बेमेतरा

गिरफ्तारी में प्रधान आरक्षक नवीन कुर्रे , संजय सोनी ,समीर शुक्ला ,आरक्षक रोहित निषाद की भूमिका रही।

नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवन

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राज्य वन विकास निगम के नवनिर्मित आवासीय परिसर का किया लोकार्पण

रायपुर । नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवनमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर स्थित सेक्टर 26 में छत्तीसगढ़ राज्य वन निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए 5.96 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित पांच मंजिला भवन का वर्चुअल रूप से लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने की।

बदलाव और उत्साह दिखाई देने लगा है। कार्यक्रम को वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सागौन वृक्षारोपण के विरलन से प्राप्त वनोपज का विक्रय वन विकास निगम के आय का मुख्य स्त्रोत है। उन्होंने बताया कि इससे वित्तीय वर्ष 2020-21 में निगम को 57 करोड़ 70 लाख रूपए की आय तथा विभिन्न कार्यो पर 45 करोड़ 31 लाख रूपए के व्यय उपरांत 11 करोड़ 58 लाख रूपए का कर

दिव्यांग बच्चे को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता की हुई सराहना

केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकत

रायपुर। केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकतनई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने शिरकत की। इस मौके पर बोर्ड के सदस्यों द्वारा बोरवेल में गिरे एक दिव्यांग बच्चे के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से की गयी पहल की सराहना की केंद्र सरकार सहयोग देती है तो इसके लिए राज्य शासन निशुल्क भूमि और संसाधन उपलब्ध कराएगी।

बैठक में मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने दिव्यांगजनों से दबाव डाल कर ऋण की राशि वसूलने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कोविड जैसी आपदा में कई दिव्यांगजनों के रोजगार प्रभावित हुए हैं। नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंशियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा राज्य एजेंसियों पर दबाव बनाकर राशि की

स्वास्थ्य विभाग की टीम, एम्बुलेंस और अन्य बुनियादी सुविधायें गांवों तक पहुंची

पहाड़ों की तराई में बसा कुमगांव जुड़ा विकास की मुख्यधारा से

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल के नारायणपुर से घने जंगलों की तरफ बढ़ें, तो 20 किलोमीटर दूर पहाड़ों से घिरा कुमगांव नजर आयेगा। पहाड़ों से घिरे इस गांव में 20-25 परिवारों के 120 लोग रहते हैं। इलाके की प्राकृतिक सुंदरता आपको जैसे बांध ही लेती है, लेकिन यह सुंदरता बाहर से गये लोगों को ही देखने में अच्छी लगती है। पहाड़ों की तराई में बसे इस गांव में रहने वाले लोग कुछ समय पहले तक बहुत कठिन परिस्थितियों में जीवन गुजारते थे। गांव में पहुंचने के लिए मात्र एक पगडंडी थी, जिसमें सायकल और दुपहिया वाहनों से चलना मुश्किल था। पहुंच मार्ग के अभाव में किसी भी गांव व क्षेत्र का विकास की बात करना महज कोरी कल्पना सी है। जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा इस गांव के लोगों की इस दिक्कत को दूर करने और उन्हें आवागमन की अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुमगांव को जोड़ने सड़क बनाने का दुरूह कार्य कर दिखाया। साथ ही इस अनसर्वेड गांव का मसाहती सर्वे भी कराया गया।

अनसर्वेड गांव का मसाहती सर्वे

शासन-प्रशासन के इस प्रयास से अब यहां जरूरी सुविधायें पहुंचने लगी हैं। नक्सल प्रभावित सुदूर वनांचल के निवासी जो वर्षो से शासन की योजनाओं से जुड़ नही पा रहे थे और आवागमन की समस्या से जूझ रहे थे। वहां मसाहती सर्वे पूर्ण होने और सड़क बनने से परिस्थितियां अब पूरी तरह बदल गई हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर नारायणपुर के अबुझमाड़ क्षेत्र के ऐसे गांव जिनका सर्वे नहीं हुआ है, उनका मसाहती सर्वे पूरा कराकर इन गांवों के लोगों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

कुमगांव में अब सड़क है, बिजली है, पीने का साफ पानी है, स्कूल है और स्कूल में शिक्षक हैं। सड़क न बनने से यहां यह सुविधा आसानी से नही मिल पाती थी। कुछ समय पहले तक यह सब बुनियादी सुविधाएं यहां के लोगों के लिए सपना थीं। इस सपने को हकीकत में बदलने का प्रयास किया नारायणपुर के कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी की टीम ने। गांव तक सड़क बन जाने से अब स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ-साथ एम्बुलेंस और अन्य बुनियादी सुविधायें गांवों तक पहुंच रही हैं। प्रशासन के इस कार्य से ग्रामवासी काफी उत्साहित है और शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है।

कुमगांव की रानो दुग्गा और मंगाया दुग्गा ने बताया कि सदियों से बसे इन गांवों में लगभग 120 लोग रहते हैं। कुछ महीने पहले इस गांव तक पहुंच पाना ही सबसे बड़ी समस्या होती थी। इस गांव तक पहुंचने के लिए एकमात्र साधन पगडंडी थी। इस पगडंडी से लोग लाठी का सहारा लेकर ही यहां से आते जाते थे। हमें पहले शासन की योजना का लाभ नही मिल पाता था, अब हमारे गांव का सर्वे पूर्ण हो गया है ।

रायपुर पुलिस ने नशा मुक्ति के लिए चलाया जन जागरूकता अभियान

रायपुर। वर्तमान परिदृश्य में नशा के मुक्ति अभियान अंतर्गत पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल सर के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) तारकेश्वर पटेल सर के मार्गदर्शन व विधानसभा सीएसपी उदयन बेहार सर के पर्यवेक्षण में थाना खम्हारडीह के क्स्क कचना में एवं आज दिनांक को शासकीय अभ्यास शाला खम्हारडीह में नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान (निजात, तुंहर पुलिस तुंहर द्वार, जियो खुलकर, सोशल मीडिया, बैनर,पोस्टर, पाम्पलेट, प्रतियोगिता) का कार्यक्रम संपादित किया।

जिसमे बच्चों के नशा से दूर रहने, परिवार में सदस्यों को नशा से दूर रहने, उससे होने वाली सामाजिक, मानसिक, आर्थिक हानि, अपराधों के संबंध में जानकारी देकर और विशेषकर बच्चों को मोबाईल के गलत प्रभाव,मोबाईल गेम के दुष्प्रभाव उससे होने वाली भविष्य में शारिरीक, मानसिक, बौद्धिक दुष्प्रभाव से अवगत कराकर जागरूकता लाने प्रयास कर नशा मुक्त समाज के लिए संकल्पित कर, नशा से दूर रहने अपील किया गया साथ अन्य कानून संबंधी जानकारी प्रदाय कर स्वस्थ शांतिपूर्ण समाज बनाने स्वयं का भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित किया गया.

पांच सहकारी समितियों का पंजीयन होगा निरस्त

अम्बिकापुर । जिले के पांच सहकारी समितियों का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं अम्बिकापुर द्वारा किया जा रहा है। उप पंजीयक ने बताया है कि खनिज सहकारी समिति मर्यादित फतेहपुर का पंजीयन क्रमांक 2892 एवं 1893, अम्बिका खनिज सहकारी समिति मर्यादित फतेहपुर का पंजीयन क्रमांक 2010 प्राथमिक श्रम ठेका सहकारी समिति मर्यादित चठिरमा पंजीयन क्रमांक 1851 एवं प्राथमिक लेबर सहकारी समिति मर्यादित चठिरमा पंजीयन क्रमांक 2115 का पंजीयन निरस्त होगा। उन्होंने बताया कि पांचां सहकारी समितियों को पंजीयन निरस्त करने संबंधी वैधानिक सूचना जारी कर दी गई है। उन्होंने उपरोक्त सहकारी समितियों के सदस्यों लेनदारों व देनदारों को लेन-देन के संबंध में विवरण प्रस्तुत करने कहा है।

अम्बिकापुर जिले में जैविक खेती में किसानों की प्राथमिकता बनी वर्मी खाद

अम्बिकापुर । जिले के किसानों का रुझान जैविक खेती की ओर बढ़ा है और खेती के लिए वर्मी खाद के उपयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। गोठानों में उत्तम गुणवत्ता के वर्मी खाद का निर्माण हो रहा है जिसे किसान सहकारी समितियों से जरूरत के अनुसार खरीद रहे हैं। इसके साथ ही जिले में रासायनिक खाद की भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है।

उप संचालक कृषि श्री एम.आर. भगत ने बताया है कि वर्तमान में सहकारिता व निजी खाद व्यवसायियों के पास पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध है। जिले में 39 सहकारी सेवा समितियों व 268 निजी खाद व्यापारियों के माध्यम से किसानों को उनके मांग के अनुसार खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बढ़ाने व जैविक खाद का उपयोग कर रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम करने वर्मी खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्मी खाद की गुणवत्ता परीक्षण उपरांत सहकारी समितियों के माध्यम से निर्धारित दर पर किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम ब्याज मुक्त ऋण पर उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में कुल 7763 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक भंडारित है जिसमें सहकारिता के 4987 मीट्रिक टन एवं निजी विक्रेताओं के 2776 मीट्रिक टन शामिल है।

केन्द्रीय जेल में हुआ विधिक सेवा शिविर का आयोजन

अम्बिकापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के अध्यक्ष श्री राकेश बिहारी घोरे के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जेल में सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विगत 23 जून 2022 को आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने श्री अमित जिंदल ने बताया है कि प्ली बारगेनिंग के अनुसार सात साल के दण्ड तक के मामले में उस दशा को छोड़कर जहां अपराध देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है या स्त्री या 14 साल के बालक के विरूद्ध किया गया हो को छोड़कर अभियुक्त के स्वेच्छा से आवेदन पेश करने पर प्रकरण में निपटारा होता है।

श्री अमित जिन्दल ने बताया कि नालसा के गिरफ्तारी पूर्व गिरफ्तारी एवं रिमाण्ड

योजना के अनुसार उच्चतम न्यायालय के निर्णय शीला बारसे बनाम महाराष्ट्र राज्य ए.आई.आर. 1983 एस.सी 378 दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41-च के अनुसार पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति को उसके विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकार को बताने के लिए बाध्य है। अनेक बार गिरफ्तार व्यक्ति दूसरे जिले का निवासी हो सकता है ऐसे में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय मोतीराम बनाम मध्य प्रदेश राज्य ए.आई.आर 1978 एस.सी. 1594 के अनुसार ऐसी दशा में उसके अधिवक्ता द्वारा न्यायालय से बाहर के जमात स्वीकार करने का और उसकी समझी जा सकने वाली भाषा में अनुवाद का निवेदन किया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22, उच्चतम न्यायालय के निर्णय डी के बासू बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, ए.आई.आर.1998 एस.सी. 610. अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य एआईआर 2014 एस.सी. 2756, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 60, 50-क, धारा 53, 54, 57, 167, आदि के बारे में भी बताया गया।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

संपादकीय

जहरीली हवा में

भारत में वायु प्रदूषण से हालात इतने बदतर हो गए हैं कि लोगों की औसत उम्र तक पर इसका असर पड़ रहा है। हाल में शिकागो विश्वविद्यालय ने वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक संबंधी जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें स्पष्ट कहा गया है कि वायु प्रदूषण के कारण भारत में औसत उम्र पांच साल कम हो गई है। जबकि दुनिया में यह आंकड़ा 2.2 का है। इस लिहाज से देखें तो भारत की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक है।

वैसे भी बांग्लादेश के बाद भारत दुनिया का सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण वाला देश माना जाता है। हालांकि वायु प्रदूषण फैलाने में दूसरे देश भी कम पीछे नहीं हैं। इनमें चीन कहीं आगे है। लेकिन उसने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उपाय शुरू कर दिए हैं और दीर्घावधि की योजनाएं लागू की हैं जिनके ठोस नतीजे सामने आने भी लगे हैं। जबकि भारत में ऐसे उपाय अब तक होते नहीं दिखे जो वायु प्रदूषण से लोगों को निजात दिला सकें।

वैसे भी वायु प्रदूषण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन, पर्यावरण शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों की अब तक जितनी भी रिपोर्टें आई हैं, उनमें सबसे खतरनाक स्थिति भारत की ही रहती है। दुनिया के सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण वाले शीर्ष दस-बीस शहरों में भारत के एक या दो नहीं, बल्कि दस से ज्यादा शहर शुमार रहते हैं। यह खतरनाक स्थिति दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।भारत में वायु प्रदूषण की समस्या पिछले तीन-चार दशकों में तेजी से बढ़ी है। शहरीकरण और देश में वाहनों की बढ़ती संख्या तो बड़ा कारण हैं ही, ईंधन के पारंपरिक स्रोत, कारखानों से निकलने वाला धुआं, निर्माण संबंधी गतिविधियां और कूड़े-कचरे को आग के हवाले करना भी प्रदूषण का बड़ी वजह है। पराली जलाने से मुक्ति अभी भी नहीं मिल पाई है।

हर साल अक्तूबर-नवंबर के महीने में ज्यादातर राज्यों में किसान खेतों में पराली जलाते ही हैं। इसका असर यह होता है कि दो-ढाई महीने उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में वायु प्रदूषण गंभीर खतरे के स्तर के ऊपर ही बना रहता है। ऐसे में सांस लेने के लिए साफ हवा मिलेगी कहां से? शिकागो विश्वविद्यालय की रिपोर्ट बता रही है कि भारत में जहां औसत उम्र पांच साल घटी है, वहीं राजधानी दिल्ली में रह रहे लोगों की औसत उम्र दस साल कम हुई है। इसके अलावा, देश की तिरसठ फीसद आबादी बेहद खराब हवा में सांस लेने को मजबूर है। यह रिपोर्ट इस बात की चेतावनी देती है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले तो अगले एक-दो दशक में हालात और विस्फोटक रूप ले सकते हैं।

इस रिपोर्ट के निष्कर्षों को समाधान के संदर्भ में देखने की जरूरत है। रिपोर्ट में हालांकि वायु प्रदूषण के लिए भारत को जरा ज्यादा ही जिम्मेदार ठहराया गया लगता है। जबकि हकीकत है यह है कि अमेरिका सहित यूरोप के कई देश भी इसके लिए समान रूप दोषी हैं। पर भारत की असलियत यह है कि वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों को लेकर हमारी प्रगति की रफ्तार सुस्त बनी हुई है।

कुछेक बड़ों शहरों को छोड़ दें तो आज भी गांव-कस्बों और मझोले शहरों की हालत अच्छी नहीं है। डीजल वाहन, जनरेटर आदि धड़ल्ले से चलते हैं। घरों में लकड़ी, कोयला आज भी जलाया ही जा रहा है। यहां तक कि भारत में ज्यादातर बिजलीघर भी कोयले से ही चलने वाले हैं। ये सब देख लगता नहीं कि वायु प्रदूषण से निपटना केंद्र और राज्य सरकारों की प्राथमिकता में शामिल है। ठोस और दूरदृष्टि वाली नीतियों का अभाव साफ दिखता है। ऐसे में वायु प्रदूषण कैसे कम हो, यह बड़ा सवाल है।

वह प्रोफेसर, जिसने विश्व को सर्वेक्षण के मानक बताए

(प्रमीत भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार)

साल 1946 की गरमियों में संयुक्त राष्ट सांख्यिकी आयोग (यूएनएससी) की बैठक में ब्रिटिश उपनिवेश के एक प्रतिनिधि ने व्यापक नमूना सर्वेक्षण के लिए वैश्विक मानक तय करने हेतु भावपूर्ण दलील पेश की। वह प्रतिनिधि थे प्रशांत चंद्र महालनोबिस। उन्होंने कहा था कि घर-घर का सर्वेक्षण कई विकासशील देशों के लिए अमूल्य डाटा स्रोत बन सकता है, क्योंकि उनके पास उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की तरह समृद्ध प्रशासनिक डाटा का संग्रह नहीं है। महालनोबिस का सुझाव मान लिया गया, और भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) में इस तरह का सर्वेक्षण करने के उनके अद्वितीय अनुभव को देखते हुए उन्हें ही नमूने पर यूएनएससी की पहली उप-समिति की अध्यक्षता करने को कहा गया। जाहिर है, आईएसआई ने जिस प्रक्रिया को जन्म दिया था, यानी सर्वेक्षण करने के लिए एक पायलट सर्वे का इस्तेमाल और सर्वेक्षण में विभिन्न प्रकार की गलतियों को पता लगाने के लिए प्रतिकृति नमूनों का उपयोग करने संबंधी तरीके को दुनिया भर में अपनाया गया।

महालनोबिस का योगदान महज नमूना संबंधी मानदंडों के मानकीकरण तक सिमटा नहीं था। जब यूएनएससी ने राष्टीय खातों (जिसके माध्यम से किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद की गणना की जाती है) की जांच के लिए नियम बनाने के लिए एक समिति का गठन किया, तब महालनोबिस से प्रशिक्षित मोनी मोहन मुखर्जी को टास्कफोर्स में शामिल होने के लिए कहा गया। महालनोबिस ने 1950 के दशक में यूएनएससी के आठवें और नौवें सम्मेलन की अध्यक्षता की, और अपनी मृत्यु तक इसकी सभी बैठकों में शामिल होते रहे। सन् 1972 में जब उनका देहांत हुआ, तब यूएनएससी की शोक-पुस्तिका में लिखा गया, हमने अपने सबसे प्रतिष्ठित और अनुभवी नेतृत्व को खो दिया है।

वैश्विक मंच पर महालनोबिस की यह पहल दरअसल डाटा में कायम अंतर को भरने की उनकी इच्छा थी, जिससे भारत और अधिकांश विकासशील देश जूझ रहे थे। 20वीं सदी के सबसे महान सांख्यिकीविद् रोनाल्ड फिशर ने कहा था कि महालनोबिस के काम में उन्हें सबसे ज्यादा जिस चीज ने प्रभावित किया, वह थी उनकी मौलिकता। उनका काम कहीं से नकल करके नहीं तैयार किया गया था।

उस दौर के अधिकांश बुद्धिजीवियों की तरह महालनोबिस को योजना बनाने में गहरा विश्वास था, जो उनकी नजर में विकास व तरक्की का साधन थी। अच्छी योजनाओं के लिए अच्छे डाटा की जरूरत थी, और इसी ने उनको आजाद हिन्दुस्तान के शुरुआती वर्षों में डाटा एकत्र करने वाले संस्थान स्थापित करने को प्रेरित किया। वित्त मंत्रालय की राष्टीय आय इकाई को, जिसकी अध्यक्षता मुखर्जी कर रहे थे, बांटकर केंद्रीय सांख्यिकी संगठन नामक एक अलग विभाग बनाया गया। राष्टीय आय की गणना में कमियों को दूर करने के लिए राष्टीय नमूना सर्वेक्षण प्रणाली की शुरुआत की गई। और, औद्योगिक गतिविधि पर नियमित डाटा हासिल करने के लिए वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की शुरुआत की गई। योजनाओं को लेकर महालनोबिस की सोच बेशक समय के साथ कमजोर पड़ती गई, मगर उनके सांख्यिकीय तरीके वक्त की कसौटी पर खरे उतरे। जिस तरह से भारत और दुनिया के अधिकांश देश डाटा एकत्र करते हैं, वह उनकी मौलिक सोच की ही देन है। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री एंगस डेटन ने 2005 में एक लेख में लिखा भी कि जब महालनोबिस (और भारत) ने अगुवाई की, तब दुनिया ने उनका अनुसरण किया।

महालनोबिस के हक में कई चीजें थीं। एक प्रसिद्ध बंगाली ब्राह्मण परिवार में जन्म लेने के कारण सामाजिक संपर्क उनकी महत्वपूर्ण थाती थी। वह रवींद्रनाथ टैगोर के करीबी थी, जिनके घर पर उन्हें जवाहरलाल नेहरू के साथ लंबा समय बिताने का मौका मिला। सीडी देशमुख का अपार स्नेह भी उनको मिला। एक सिविल सेवक और केंद्रीय बैंक के कर्मी के रूप में देशमुख ने महालनोबिस को सरकारी धन दिलाने में मदद की, ताकि आईएसआई अपने शुरुआती वर्षों में वित्तीय संकटों से पार पा सके। हालांकि, इन फायदों के बावजूद उनकी राह आसान नहीं रही। देशमुख (तब वह वित्त मंत्री और आईएसआई के अध्यक्ष थे) को लिखी चिट्ठी में उन्होंने बताया कि किस तरह से लाल-फीताशाही संस्थानों के कामों को रोक रही है। ऐसे समय में, जब हम भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, शुरुआती वर्षों की इसकी सांख्यिकीय उपलब्धियों पर हमें निस्संदेह गर्व होना चाहिए। मगर साथ ही, हमें यह भी पूछना चाहिए कि भारत के सांख्यिकीय तंत्र को अब क्यों नहीं शुरुआती वर्षों जैसा सम्मान मिलता है? (ये लेखक के अपने विचार हैं)

लोकतंत्र के मूल्य

(मुकेश कुमार, मोतिहारी)

अग्निपथ भर्ती योजना लागू होते ही बिहार सहित देश के तमाम राज्यों में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाने लगा है! युवाओं का मानना है कि नया नियम हमारे पक्ष में नहीं है, जिस वजह से वे सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। सत्ता पक्ष को सही साबित करने के लिए कुछ मंत्रीगण मैदान में उतरे। पूर्व जनरल विजय कुमार सिंह का मानना है कि सेना में भर्ती होना अनिवार्य नहीं है।

जिसको सेना में आना है, वह आ सकता है, आपको सेना में कौन बुला रहा है? इन बातों से साफ जाहिर है कि सत्तापक्ष पूर्ण रूप से तानाशाही रवैया अपना रहा है। लोकतंत्र में सरकार के सामने अपनी मांग रखना गुनाह है क्या? क्या मंत्रिमंडल के फैसले के विरुद्ध जाना गुनाह है? अगर गुनाह नहीं है, तो फिर वीके सिंह ने अग्निपथ को लेकर अभ्यर्थियों के लिए ऐसे बयान क्यों दिया? यह देशहित में सही कदम नहीं है।

प्रदूषित होती नदियां

(राजेश कुमार चौहान)

पिछले कुछ दशकों से नदियों में प्रदूषण कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ा है। यह गंभीर चिंता की बात इसलिए भी है कि इसका सीधा असर मनुष्य पर पड़ रहा है। अगर नदियां प्रदूषित हो जाएंगी और बचेंगी ही नहीं तो धरती पर हम रह कैसे पाएंगे। आज जिस तरह के हालात हैं और ज्यादातर नदियां प्रदूषण की मार झेलती हुई अपने दिन गिनती दिख रही हैं, वह बड़ी चेतावनी है।

भारतीय संस्कृति में आदिकाल से ही नदियों का विशेष महत्त्व रहा है। माना जाता है कि प्रातः पवित्र नदियों का स्मरण करने से मनुष्य को जीवन में सफलता मिलती है। यों भी सभ्यता के विकास में नदियों का अप्रतिम योगदान रहा है। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी नदियों को देवी के समकक्ष माना गया है। गंगा सहित अनेक नदियों की उत्पत्ति को देवताओं से जोड़ा गया है। नदियों के प्रवाह को दिव्य शक्तियों के अस्तित्व संबद्ध करने के मूल में मंतव्य कदाचित यही रहा होगा कि हम नदियों की महत्ता को स्वीकार करें।

मानव सभ्यता का विकास भी नदियों के किनारे ही हुआ। कालांतर में भी पानी की सहज उपलब्धता के कारण ही नदियों के किनारे बसी बस्तियों की बनावट घनी होती गई। धीरे-धीरे यही बस्तियां बड़े शहरों का रूप लेती गईं। पृथ्वी पर मौजूद समस्त जल स्रोतों में से सनतानवे फीसद से अधिक हिस्सा खारे पानी का है और शेष में से अधिकांश हिमखंड के रूप में जमे हुए हैं।इन्हीं जमे हुए जल स्रोतों से अधिकांश प्रमुख नदियां निकली हैं। धरती की आबादी का एक बड़ा हिस्सा पीने के पानी की उपलब्धता के लिए नदियों पर ही निर्भर है। यही कारण है कि प्राचीन काल में नदियों के प्रवाह की शुचिता को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता था। क्या कोई विश्वास करेगा कि ज्योतिष की एक सामान्य मान्यता के अनुसार नदियों के पानी में गंदगी डालने वाले व्यक्ति को मातृत्रष्टा का श्राप मिलता है।इस मान्यता का मनोवैज्ञानिक तथ्य यही है कि लोग नदियों के पानी में गंदगी प्रवाहित नहीं करें। लेकिन हमने पारंपरिक मान्यताओं को नकार दिया और परिणाम यह हुआ कि जिन नदियों को कभी इतना पवित्र माना जाता था कि उनमें स्नान मात्र से ही जन्मों के पाप धुल जाने की मान्यताएं बलवती थीं, उन्हीं नदियों का पानी इतना प्रदूषित हो गया कि उनका पानी पीने लायक भी नहीं बचा।इस स्थिति के मूल में दो अतिवादी कारण रहे। अत्यधिक तार्किक हो जाने की जिद में हमने परंपराओं को समझने की कोशिश करने के बजाय उनका अंधानुसरण प्रारंभ कर दिया। प्राचीनकाल में नदियों पर बने पुल से गुजरने वाले यात्री नदियों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए नदी के जल में कुछ सिक्के डाल दिया करते थे। यह वह दौर था जब सिक्के तांबे या चांदी के बने होते थे। तांबे और चांदी में पानी को शुद्ध करने का स्वाभाविक गुण रहता है।यानी प्रतीकात्मक तौर पर मनुष्य नदी-जल की शुचिता को कायम रखने के अनुष्ठान में अपना आंशिक योगदान दे देता था। लेकिन जब सीसे या अन्य धातुओं के सिक्के ढलने लगे, तब भी हमने नदी में सिक्कों को डालना जारी रखा। नदियों से जुड़ी पाप धोने की मान्यता भी उनके प्रदूषण का कारण बन गई। कोरोना काल में अधजले या बिन जले हजारों शव नदियों में बहा दिए गए। कल्पना कीजिए कि उससे नदी जल कितना दूषित हुआ होगा?पिछले कुछ दशकों से नदियों में प्रदूषण कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ा है। यह गंभीर चिंता की बात इसलिए भी है कि इसका सीधा असर मनुष्य पर पड़ रहा है। अगर नदियां प्रदूषित हो जाएंगी और बचेंगी ही नहीं, तो धरती पर हम रह कैसे पाएंगे? आज जिस तरह के हालात हैं और ज्यादातर नदियां प्रदूषण की मार झेलती हुई अपने दिन गिनती दिख रही हैं, वह बड़ी चेतावनी है। कुछ समय पहले विज्ञान और पर्यावरण केंद्र के एक सर्वेक्षण में पता चला कि भारत की अधिकांश नदियों के जल में सीसा, कैडमियम, आर्सेनिक, निकल, क्रोमियम, लोहे और तांबे की मात्रा खतरनाक स्तर पार कर गई है।इस सर्वेक्षण में एक सौ सत्रह नदियों और सहायक नदियों में फैले एक चौथाई निगरानी केंद्रों पर लिए गए नमूनों में दो या दो से अधिक जहरीली धातुओं के उच्च स्तर पाए गए। इस प्रदूषण के लिए खनन, कबाड़ उद्योग और धातु संबंधी विविध उद्योगों द्वारा परिवेश में मुक्त की गई जहरीली धातुएं तो जिम्मेदार हैं ही, हमारी आधुनिक जीवन शैली भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं है।गंगा जैसी नदी, करीब ढाई हजार किलोमीटर के अपने कुल बहाव क्षेत्र की शुरुआत में ही प्रदूषित होना शुरू हो जाती है। उत्तराखंड के साढ़े चार सौ किलोमीटर के प्रवाह में ही एक दर्जन से अधिक नाले पैंतालीस करोड़ घन लीटर से अधिक गंदा पानी गंगा में सतत उंडेलते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में यही बर्ताव इस पवित्र नदी को सहना पड़ता है। गंगा को दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित दस नदियों में एक पाया गया है।एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि दुनिया की जो नदियां समुद्र तक सर्वाधिक कचरा ले जाती हैं, उनमें गंगा नदी भी एक है। सोचिए, जिस नदी को जीवनदायिनी कहा गया है, उस नदी के साथ समुद्र तक जाने वाला अपशिष्ट पर्यावरण और जलीय जंतुओं के स्वास्थ्य पर क्या असर डाल रहा होगा? जब गंगा जैसी नदी का यह हाल है तो दूसरी नदियों के दुख का अनुमान तो सहज ही लगाया जा सकता है।यमुना में उठने वाले सफेद झाग उसके प्रदूषण की कहानी कहते हैं। कभी झारखंड की जीवनरेखा मानी जाने वाली दामोदर नदी का पानी आज इतना प्रदूषित हो चुका है कि स्वयं पर्यावरण विभाग के अनुसार उसका पानी कई स्थानों पर पीने योग्य नहीं है। सुवर्णरेखा नदी को कभी झारखंड की गंगा कहा जाता था, लेकिन अब वह नहाने लायक भी नहीं रह गई है।मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमरकंटक में ही नर्मदा सबसे ज्यादा मैली है। अमरकंटक और ओंकारेश्वर जैसे तीर्थों के किनारे नर्मदा के जल में क्लोराइड और घुलनशील कार्बन डाई आक्साइड का स्तर खतरनाक हो गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल को हरा-भरा रखने वाली एक दर्जन से ज्यादा नदियां दम तोड़ने की हालत में हैं। गोमती, पीलीनदी, मगई, गड्ई, तमसा, विषही, चंद्रप्रभा, सोन नदी आदि की हालत खस्ता है।दरअसल, पवित्र नदियों के तट पर होने वाले कुछ समारोहों और अनुष्ठानों ने भी पानी की पवित्रता से कम खिलवाड़ नहीं किया है, क्योंकि हम पूजा सामग्री या पूजा में प्रयुक्त होने वाली मूर्तियों को नदी में यह सोच कर प्रवाहित कर देते हैं कि उन्हें पानी में प्रवाहित करने से पाप नहीं लगेगा। ऐसा करते समय हम भूल जाते है कि इस सामग्री को तैयार करने में प्रयुक्त किए गए रसायन या कुछ खास तत्व पानी का दम घोंटने का काम करते हैं।जहरीली धातुओं के अलावा नदियों के पानी मे रासायनिक दवाओं के कारण भी प्रदूषण बुरी तरह बढ़ रहा है। दुनिया के सभी महाद्वीपों के एक सौ चार देशो की दो सौ अट्ठावन नदियों पर एक शोध में यह बात सामने आई। इस शोध में दुनिया के सौ से ज्यादा वैज्ञानिक शामिल थे। आश्चर्य की बात यह है कि नदियो के पानी में मिर्गी रोधी दवा कार्बमेंजपाइन, डायबिटीज की दवा मेटफॉर्मिन और कैफीन सहित विविध दवाओ के तत्व खतरनाक मात्रा में पाए गए।

ये तत्व नदियों में मानव अपशिष्ट के साथ, बिना उपचारित सीवरेज के साथ, नदी किनारे जमा किए गए कचरे के साथ अथवा दवा बनाने वाली कंपनियों के उपचार रहित अपशिष्ट के साथ पहुंचे। उन्नीस फीसदी स्थानों पर शोधकर्ताओं ने नदी जल में जैव प्रतिरोधियो की उपस्थिति खतरनाक स्तर पर पाई है। पर्यावरण के लिए यह भी एक नए वैश्विक खतरे के तौर पर उभर रहा है।

भारत के नमूनों में कैफीन, निकोटिन, एनाल्जेसिक, एंटीबॉयटिक्स, एंटी डिप्रेसेंट्स, एंटी डायबिटिक, एंटी अलर्जी दवाइयां मिली हैं। नदियों मे दवाइयों के कारण बढ़ रहा प्रदूषण भी संवेदनशील लोगों को डराने लगा है, क्योंकि यह प्रदूषण अप्रत्यक्ष तौर पर करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

कहां जाकर बस रहे हैं भारत छोड़कर जाने वाले अमीर

(राहुल पाण्डेय)

इस साल आठ हजार से ज्यादा अमीर भारत छोड़कर दूसरे देशों में बस जाएंगे। अमीरों को विदेश में बसने में मदद करने वाली कंपनी हेनली ऐंड पार्टनर्स की साल 2022 की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट बताती है कि रूस, यूक्रेन, भारत और चीन जैसे देशों से बड़ी संख्या में अमीर पलायन कर रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि भारत से जो अमीर जा रहे हैं, यूरोपियन यूनियन के बाद उनका रुख दुबई और सिंगापुर की ओर सबसे ज्यादा है। पहले लोग अमेरिका या ब्रिटेन में रहने-बसने का सपना देखा करते थे, मगर अब यह बदल गया है। रिपोर्ट में इसकी वजह यह बताई गई है कि ब्रेग्जिट (यानी ब्रिटेन के यूरोपियन यूनियन से बाहर हो जाने) के बाद ब्रिटेन में टैक्स बढ़ गए हैं। अमेरिका में भी टैक्स तो बढ़े ही हैं, आने-जाने के नियम भी कड़े हो गए हैं। डॉनल्ड ट्रंप के राष्टपति चुनाव हारने के बाद उनके समर्थकों ने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। इससे अमेरिका की छवि खराब हुई। इस वजह से दुनिया भर के अमीर इन दोनों देशों से दूरी बना रहे हैं।

दुबई और सिंगापुर जैसी जगहें भारत के नजदीक तो हैं ही, दुनिया भर की तकनीकी कंपनियां भी यहीं हैं। भारत के नए अमीरों में अधिकतर तकनीकी दुनिया से जुड़े युवा हैं। दूसरी तिमाही की रिपोर्ट आने के बाद हेनली एंड पार्टनर्स में काम करने वाली इप्शिता भुवानिया ने इस बारे में कंपनी की वेबसाइट पर एक लेख लिखा। इसमें वह कहती हैं कि यहां स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतरीन हैं और कानून-व्यवस्था भी अच्छी है। इस वजह से अमीर भारतीयों की लिस्ट में दुबई और सिंगापुर जैसे देश प्रायॉरिटी पर रहते हैं।

अन्य देशों की बात करें तो सबसे ज्यादा देश छोड़ने वाले अमीर फिलहाल रूस से हैं। हेनली ग्लोबल सिटिजंस रिपोर्ट बताती है कि इस साल के अंत तक रूस से 15 हजार से भी ज्यादा अरबपति देश छोड़ने की फिराक में हैं। यह रूस छोड़ने वाले अमीरों का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। 2019 में भी वहां ऐसी ही लहर दिखी थी। तब 9,500 अमीरों ने देश छोड़ दिया था। लेकिन तब वजह कोरोना था और अब वजह रूस और यूक्रेन में पिछले कई महीनों से चल रहा युद्ध है। इस युद्ध के चलते यूक्रेन से भी 2,800 अरबपति दूसरे देशों का रुख कर चुके हैं, जो यूक्रेन का विशुद्ध घाटा है। यहां से 2019 में भी अरबपति देश छोड़कर भागे थे, पर साल 2022 की संख्या ऐतिहासिक है।

रूस, चीन, भारत, हांगकांग, ब्राजील, यूक्रेन, ब्रिटेन, मेक्सिको, सऊदी अरब और इंडोनेशिया साल 2022 की उस टॉप-10 लिस्ट में शामिल हैं, जहां से सबसे ज्यादा अरबपति देश छोड़ने की तैयारी में लगे हैं। हेनली एंड पार्टनर्स के सीईओ डॉ. जर्ग स्टेफेन का कहना है कि बड़ी पूंजी का पलायन पिछले एक दशक में तब तक लगातार बढ़ता रहा, जब तक कि दुनिया पर कोरोना ने हमला नहीं कर दिया। 2020 और 2021 में इसमे कुछ कमी आई, लेकिन अब यह फिर तेज हो रहा है। इस साल के अंत तक दुनिया भर के विभिन्न देशों के 88 हजार अरबपति दूसरे देशों में बस जाएंगे। अगले साल यानी 2023 में यह संख्या सवा लाख का आंकड़ा छू सकती है।

बड़ी बात यह है कि इतने सारे अरबपति कम से कम अमेरिका या ब्रिटेन के हिस्से में नहीं आने वाले। 2017 से तो ब्रिटेन के खुद के 12 हजार से ज्यादा अरबपति देश छोड़कर जा चुके हैं। भारतीयों की पसंद को छोड़ दें तो बाकी दुनिया के अधिकतर अरबपतियों की पहली पसंद है माल्टा, मॉरीशस और मोनैको। वैसे ये देश पहले से ही टैक्स हेवेन के रूप मे बदनाम हैं। इसके अलावा अरबपति दुनिया भर में यूएई, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इस्राइल, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, ग्रीस, कनाडा और न्यूजीलैंड आदि में बसना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इनमें इनकी पहली पसंद इजरायल, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और सिंगापुर ही हैं।

ये सारे अरबपति खाली हाथ किसी देश में नहीं जाते। ये अपनी संपत्तियां भी साथ लेकर जाते हैं। इसकी वजह से यह जहां भी जाते हैं, उस देश का खजाना बढ़ता है। पलायन का कारण टैक्सेशन तो है ही, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी है। भारत अगर इन क्षेत्रों में सुधार करता है तो इससे पलायन रोकने में मदद मिल सकती है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

अग्निवीर से सेना में बढ़ जाएंगे नौसिखिए जवान

(अवधेश कुमार)

अग्निपथ योजना को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों में दिखी हिंसा चिंता अवश्य पैदा करती है, लेकिन यह हमारे देश में एक प्रवृत्ति के रूप में स्थापित हो रही है। हाल के वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार या प्रदेश की बीजेपी सरकारों के विरुद्ध कोई भी बड़ा प्रदर्शन हिंसा से अछूता नहीं रहा। यूं तो विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र की सुंदरता है। असहमति व्यक्त करने का माध्यम है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अगर इरादा किसी नीति, मुद्दा, आदेश आदि में संशोधन, परिवर्तन कराने का हो तो आंदोलन का चरित्र सामान्यतः हिंसक नहीं होता। यहां तक कि आंदोलन लंबा खिंचने पर धैर्य खोकर कुछ लोगों के द्वारा छिटपुट हिंसा भी असामान्य घटना मानी जाती रही है। लेकिन अब तो विरोध की शुरुआत ही हिंसक घटनाओं और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने से हो रही है।

समझे बगैर विरोध

आपने देखा होगा, 14 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना और अग्निवीरों की नियुक्ति और सेवा शर्तों का विवरण दिया नहीं कि घंटे भर के अंदर प्रदर्शन आरंभ हो गए। जगह-जगह हिंसा भी होने लगी। अगर योजना में कुछ कमियां हैं तो बातचीत की जा सकती है। इसमें किसी समाधान तक पहुंचा जा सकता है और खामियों को इस तरह से दूर करने का रास्ता निकाला जा सकता है। लेकिन यहां तो सीधे कहा जा रहा है कि पूरी योजना ही गलत है। सरकार इसे वापस ले, नहीं तो हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। यह विरोध भी कानूनी दायरे में अहिंसक तरीके से धरना तक सीमित नहीं है। यहां तो आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी तक का इस्तेमाल इसके लिए किया जा रहा है। कई सेवानिवृत्त सैनिक और रक्षा विशेषज्ञ अग्निपथ योजना का समर्थन कर बता रहे हैं कि यह नौजवानों के और देशहित में है। लेकिन जिन्हें सुनना ही नहीं है, उनके लिए इसके कोई मायने नहीं।

इससे पहले तीन कृषि कानूनों के संदर्भ में भी हमने यही स्थिति देखी थी। सरकार ने दिसंबर, 2020 से ही आंदोलनरत संगठनों के साथ बातचीत शुरू की। 12 दौर की बातचीत हुई। सरकार ने अपनी ओर से कई संशोधनों की घोषणा कर दी। बावजूद इसके 26 जनवरी को दिल्ली में हिंसा हुई। यही स्थिति नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के संदर्भ में भी थी। इस कानून का भारत के मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन कहा गया कि यह उनके विरुद्ध है। आरंभ में छोटा विरोध हुआ, लेकिन धीरे-धीरे शाहीनबाग धरना ने व्यापक रूप ले लिया। नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आंदोलन देश के कई हिस्सों में हिंसक हुआ।

मोदी सरकार से वैचारिक मतभेदों में कुछ भी अस्वाभाविक नहीं। उसे प्रकट करना, नीतियों की खामियों को सामने लाकर सरकार पर दबाव बढ़ाना, यह सब किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मान्य है। किंतु मोदी सरकार और बीजेपी की ज्यादातर राज्य सरकारों के संदर्भ में लोकतंत्र का यह मान्य आचरण पीछे छूट चुका है। एक बड़े समूह का मोदी सरकार के प्रति व्यवहार ऐसा है, मानो यह किसी दुश्मन की सरकार हो। जाहिर है, इसके निश्चित कारण हैं। बीजेपी और राष्टीय स्वयंसेवक संघ से इस देश में एक बड़े वर्ग का वैचारिक विरोध रहा है। दुर्भाग्य से यही विरोध भारत में लिबरल, सेकुलर और प्रोग्रेसिव होने का पर्याय बना दिया गया। यह बढ़ते-बढ़ते इस अवस्था में आ गया कि राजनीतिक, बौद्धिक एक्टिविज्म के क्षेत्र में किसी के भी स्वीकार्य होने की एकमात्र कसौटी यह हो गई कि वह संघ-बीजेपी का विरोधी है या नहीं।

नरेंद्र मोदी के प्रति यह विरोध दुश्मनी और धारणा से भी आगे निकल गई। मान्य राजनीतिक तरीकों से मोदी को पराजित करना संभव नहीं रहा। इसलिए हर संभव कोशिश की जा रही है कि देश में अशांति, अस्थिरता कायम हो, मोदी सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ें। वह बदनाम हो और देश से विदेश तक नकारात्मक संदेश जाए। अग्निपथ के मामले में भी यही हो रहा है। इस आंदोलन में कई ऐसे तत्व सक्रिय हैं, जिनका सेना में भर्ती से कोई लेना-देना नहीं। इसका लाभ देश विरोधी तत्व भी उठाते हैं। चाहे 10 जून को जुम्मे की नमाज के बाद का प्रदर्शन हो या फिर अग्निपथ के विरुद्ध हुए प्रदर्शन- सबके पीछे ऐसे तत्व नजर आते हैं, जो अशांति, तनाव और अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। इस तरह की हिंसा सामान्य लोग कर ही नहीं सकते। मेरे हिसाब से, जिस प्रफेशनल तरीके से आगजनी हुई है, वह प्रशिक्षित हिंसक समूहों द्वारा ही संभव है। ध्यान रहे कृषि कानून विरोधी आंदोलन में भी यही हुआ था। आंदोलन को कैसे आगे चलाया जाए, इसके लिए टूलकिट बन गए थे और उसका केंद्र कनाडा से लेकर पाकिस्तान, ब्रिटेन, अमेरिका था। नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आंदोलन में भी यही था। उस दौरान तो संयुक्त राष्ट तक से वक्तव्य आ गया था। इससे स्पष्ट होता है कि विरोधियों की ताकत कितनी बड़ी है।

फोड़ा बना नासूर

दूसरी ओर मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जारी शाहीनबाग धरने को उखाड़ने की कोशिश तक नहीं की। अगर कोरोना का प्रकोप नहीं होता तो पता नहीं धरना कब तक जारी रहता। ऐसे ही कृषि कानून विरोधी आंदोलन में 26 जनवरी, 2021 की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश था और उस समय सरकार कदम उठाती तो 27 को आंदोलन खत्म हो जाता। लेकिन एक साधारण फोड़े को नासूर बनने दिया गया और अंत में प्रधानमंत्री ने स्वयं घोषणा कर उन कृषि कानूनों को वापस लिया, जिनके बारे में लगातार सरकार कहती रही थी कि वह हर हाल में उन कानूनों को लागू करने के फैसले पर कायम रहेगी। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पानी की कमी पूरी करने से लेकर वजन घटाने तक, लौकी खाने के फायदे

गर्मियों में खान-पान का खास ख्याल रखना जरूरी होता है क्योंकि ऐसे मौसम में डिहाइड्रेशन और पेट में जलन जैसी कई समस्याएं होना आम बात है। इसलिए जरूरी है कि ऐसी चीजें खानी चाहिए जो कि ठंडक प्रदान करें और साथ ही शरीर में पानी की पूर्ति भी करें। ऐसे में लौकी खाना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यूं तो 12 महीने लौकी बाजारों में मिल जाती है लेकिन यह गर्मियों की मौसमी सब्जियों में से एक है। भारतीय व्यंजनों में लौकी का खूब इस्तेमाल किया जाता है। इससे तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं जैसे हलवा, खीर, सब्जी, कोफ्ते, पकौड़े आदि। बहुत से लोगों को, खासतौर पर बच्चों को लौकी खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता लेकिन इससे कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। लौकी में भरपूर मात्रा में विटामिन बी, सी, आयरन और सोडियम पाया जाता है। खून की कमी वाले लोग यदि रोजाना लौकी खाना शुरू कर दें तो शरीर में खून की कमी को आसानी से पूरा किया जा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होने पर दिल से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। लौकी खाने से बैड कॉलेस्ट्रॉल को नियंत्रित किया जा सकता है जो दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

वजन घटाने में कारगर

वजन घटाने के लिए लौकी को सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। लौकी में मौजूद आयरन, विटामिन और पोटैशियम वजन को कम करने में मदद करते हैं। यदि आप रोजाना लौकी का जूस पीना शुरू कर दें तो मोटापे की समस्या आसानी से दूर हो सकती है।

गर्भावस्था में लौकी

लौकी का जूस गर्भवती महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है। लौकी का जूस पीने से गर्भाशय को मजबूत और गर्भस्त्राव की समस्या को दूर किया जा सकता है।

रोना बुरा नहीं है, रोने से सेहत को होता है फायदा आँखों को मिलती है मजबूती

हमारे समाज में रोना अच्छा नहीं माना जाता है। घर-परिवार में भी जब कभी कोई बच्चा या बड़ा रोने लगता है तो परिवार के अन्य लोग उसे तुरन्त कह देते हैं कि रोना बन्द करो। हमारे समाज में रोने को बुरा माना जाता है, हालांकि यह बुरा नहीं है।

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी माना जाता है, जबकि यह अपनी भावनाओं को प्रेक्षित करने का एक माध्यम है। जो लोग भावुक होते हैं, वे दिल के बिल्कुल साफ होते हैं और लड़ाई-झगड़े के समय वे किसी प्रकार की बहस करने के बजाय अपने आँसू पोंछते नजर आते हैं। उनके इस व्यवहार को उनकी कायरता मानना भूल है, ऐसा भावनाओं के कारण होता है। बहुत से लोग आंसुओं को भावनात्मक कमजोरी की निशानी मानते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि रोना हमारे शरीर के लिए तनाव मुक्त करने का एक तरीका है। रोना हमारे मन में भावनाओं को बाहर निकालने में मदद करता है चाहे वह निराशा की हो या खुशी की। इतना ही नहीं एक ही तरह से रोने से भी कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति रोए तो उसी समय रोना चाहिए, रुकना नहीं चाहिए। आपके रोने से कोई हानि नहीं होगी बल्कि लाभ ही लाभ होगा। रोने से कई फायदे होते हैं जिन पर हम कभी गौर नहीं करते हैं। यदि कभी आपको रोना आए तो आप इन बातों पर जरूर गौर करना-

व्यक्ति हल्का महसूस करता है, दिल से बोझ उतर जाता है

महिलाओं के रोने पर समाज में कोई कुछ नहीं कहता लेकिन यदि कोई पुरुष रो दे तो यह शर्म की बात मानी जाती है। हमारा समाज उस पुरुष को कायर मानता है जो रो देता है। वास्तविकता यह है कि रोने से भावनात्मक बोझ कम हो जाता है। व्यक्ति अपने आप को हल्का महसूस करता है। आजकल तो फिल्मों में भी रोने के दृश्यों को बेहतरीन तरीके से दिखाया जाता है। हालांकि यहाँ भी पुरुषों को अकेले में, सूनसान स्थानों पर रोते हुए दिखाया जाता है। खैर यह सही है कि रोने से भावनात्मक बोझ हल्का होता है। सीने/छाती में जमा भारीपन और सिर पर लदा बोझ हट जाता है और व्यक्ति अपने आप को बहुत हल्का महसूस करता है।

मानसिक थकान दूर होती है

कई बार आप अपनी परेशानियों और जिम्मेदारियों के चलते स्वयं को बहुत थका हुआ और तनावग्रस्त पाते हैं। ऐसे में यदि आपका कोई परिजन या परिचित आपको कुछ ऐसा बोला देता है जो आपको अंदर तक चुभ जाता है तब आपको रोना आ जाता है। आपने कभी गौर नहीं किया होगा लेकिन वास्तविकता यह है कि रोने के आधा-एक घंटे बाद हमें महसूस होता है कि हमारा मन बहुत शान्त है और हम नींद के आगोश में जाने को बेकरार है। जब आप नींद लेकर उठते हैं तो आपको महसूस होगा आपकी सारी मानसिक थकान दूर हो चुकी है।

नई ऊर्जा फील करते हैं

कुछ देर रो लेने के बाद और रोने के बाद अगर सोने का अवसर मिल जाए तो और भी अच्छा। यानी रोने और सोने के बाद जब आप जागते हैं और फिर से अपनी ऐक्टिव लाइफ में लौटते हैं तो आप खुद में एक नई तरह की ऊर्जा का संचार अनुभव करते हैं। इससे आपके काम करने की गति बढ़ती है।

स्पष्ट होते हैं विचार

रो लेने से मन हल्का हो जाता है, सिर का बोझ कम लगने लगता है और ताजगी भरी नई ऊर्जा का संचार होने लगता तो आपके विचारों में अधिक स्पष्टता आ जाती है। इससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर बनती है और स्थितियों को जल्दी भाप लेने का दृष्टिकोण विकसित होता है।

आँखें साफ हो जाती हैं

अब तक रोने के जितने भी फायदे सामने आए, ये मानसिक सेहत से जुड़े हैं और करियर से जुड़े हैं लेकिन रोने से आपकी आंखों की जो सफाई होती है, वो आपकी शारीरिक सेहत से जुड़ा मामला है। जी हां, कभी-कभी रोना आंखों के लिए अच्छा होता है। इससे आंखों की मसल्स का तनाव भी कम होता है, आंखों की सफाई होती है और आंखों के पीछे मौजूद कोशिकाओं, उत्तकों में मजबूती भी आती है।

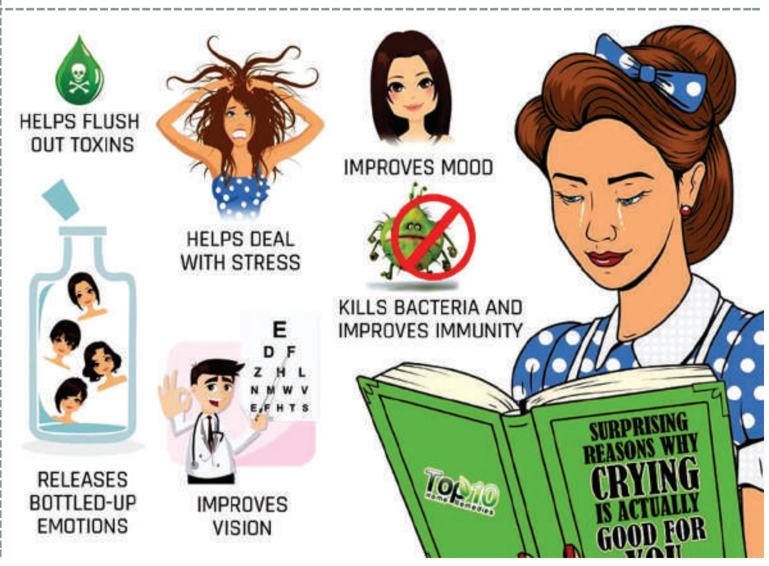

नमक खाने में सिर्फ स्वाद बढ़ाने का ही नहीं बल्कि शरीर में सोडियम की पुर्ति का भी मुख्य स्त्रोत होता है। लेकिन इसका सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी होता है, कि शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा न हो। नमक का अत्यधिक उपयोग उच्च रक्तचाप को बढ़ाने का प्रमुख कारक है।

रोजाना इस्तेमाल के लिए बेस्ट है ये नमक, इसमें छुपे हैं सेहत के कई राज

नमक हमारे आहार में सोडियम का मुख्य स्त्रोत होता है। बाजार में कई तरह के नमक - सेफद, सेंधा, समुद्री, काला नमक, विदा और रोमाका नमक मिलते हैं। निस्संदेह, नमक कई व्यंजनों को तुरंत स्वादिष्ट बना सकता है, लेकिन इसका सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है कि शरीर में इसकी मात्रा ज्यादा न हो। नमक का अत्यधिक उपयोग उच्च रक्तचाप को बढ़ाने का प्रमुख कारक है। बता दें, नमक का प्रभाव उसके प्रकार पर भी निर्भर करता है। लगभग सभी कच्चे खाद्य पदार्थों- सब्जियां, फल, नट्स, मीट, साबुत अनाज और डेयरी खाद्य पदार्थों में सोडियम कम मात्रा में पाया जाता है। इसलिए ऊपर से नमक डालकर खाने की सलाह नहीं दी जाती है। आयुर्वेद डॉक्टर ने बताया है कि सेंधा नमक का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसके रोज सेवन से शरीर के तीनों दोष- वात, कफ और पित संतुलित रहते हैं। यह एक मात्र ऐसा नमक है जिससे हार्ट और आंखों से संबंधित बीमारियां नहीं होती है। आयुर्वेद के अनुसार सेंधा नमक रोज इस्तेमाल करने के लिहाज से सेहत के लिए बहुत लाभदायक है। इसके कई फायदों को एक्सपर्ट ने साझा किया है। लेकिन उससे पहले आपके लिए जानना जरूरी है कि इसकी अधिकता से शरीर को किस प्रकार के जोखिम का खतरा होता है।

ज्यादा नमक खाने के साइड इफेक्ट

- हार्ट फेल
- हाई बीपी
- किडनी रोग
- किडन स्टोन
- ऑस्टियोपोरोसिस
- पेट का कैंसर
- स्ट्रोक

कितनी मात्रा में करना चाहिए नमक का सेवन

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार एक वयस्क व्यक्ति को प्रति दिन 5 ग्राम से कम (एक चम्मच के नीचे) नमक का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा यह भी माना जाता है कि खाने में ऊपर से नमक मिलाने से शरीर में कई तरह की बीमारियां पैदा होने लगती है।

सेंधा नमक है सेहतमंद

आयुर्वेद एक्सपर्ट बताती हैं कि सेंधा नमक का इस्तेमाल कई तरह से शरीर को रोगमुक्त रख सकता है। यह पचान में सुधार, पेट में सुजन की समस्या को कम करन में सहायक होता है। यह टंडक और उर्जा प्रदान करने में भी मदद करता है।

हार्ट को रखता है निरोग

आयुर्वेद एक्सपर्ट बताती हैं कि सेंधा नमक हार्ट को स्वस्थ्य रखने का काम करती है। पके हुए खाने में अधिक मात्रा सोडियम होता है जिससे हृदय से जुड़ी कई समस्याएं जैसे - हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में सेंधा नमक का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

आंखों के लिए है फायदेमंद

आयुर्वेद एक्सपर्ट बताती हैं कि सेंधा नमक एक मात्र ऐसा नमक है जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है। रोजाना इसे अपने आहार में इसे शामिल करक आप अपनी आंखों को कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से बचा सकता है।

गैस और कब्ज को दूर कर डाइजेशन बेहतर बनाती हैं रसोई में रखी ये चीजें

अगर आपके साथ भी ऐसा कई बार हो जाता है तो अपनी डाइट में रसोई में रखी कुछ घरेलू चीजें शामिल करके आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। गैस और कब्ज को दूर कर डाइजेशन बेहतर बनाती हैं रसोई में रखी ये 5 चीजें

अक्सर शादी-पार्टी का खाना खाकर लोगों को पेट में गैस या फिर कब्ज की शिकायत होने लगती है। पेट में कब्ज होने पर पेट दर्द, जी मिचलाना, खट्टी डकार आना, पेट गैस जैसी समस्याएं व्यक्ति को परेशान करने लगती हैं। जिससे उसकी रोज की दिनचर्या पर बुरा असर पड़ने लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा कई बार हो जाता है तो अपनी डाइट में रसोई में रखी कुछ घरेलू चीजें शामिल करके आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

सौंफ

सौंफ का सेवन करने से पेट की गैस में राहत मिलती है। सौंफ में मौजूद कई पोषक तत्व गैस और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

लस्सी

अगर आपके पेट में कुछ ऑयली खाने से गैस और अपच की समस्या हो रही हैं, तो आप लस्सी का सेवन कर सकते हैं। लस्सी में जीरा और काला नमक डालकर पीने से पेट में तुरंत आराम मिल सकता है।

सलाद

अगर आपने भोजन में कुछ हैवी खा लिया है, जिससे आपका पाचन बिगड़ गया है, तो आप सलाद का सेवन करें। सलाद में काला नमक, भुना जीरा और एक चुटकी काली मिर्च पाउडर डालकर खाएं। इससे पेट की गैस को दूर किया जा सकता है।

हींग

आधा चम्मच हींग को हल्के गर्म पानी में मिलाकर पीने से पेट में गैस बननी कम होती है। हींग गैस से तुरंत राहत दिलाने में मददगार है। इससे पेट भी साफ हो जाता है और गैस से राहत भी मिलती है।

लेमन वॉटर

अगर फाइड चीजें खाने से पेट में भारीपन महसूस होता है तो आप सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू का रस और काला नमक मिलाकर पी सकते हैं।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें।

यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

इसके बाद आता है व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू ने नॉमिनेशन भरा

मोदी-शाह समेत 8 बड़े दिग्गज बने प्रस्तावक बीजेडी और वाईएसआर के कई नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली

झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने आज एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह के अलावा बीजू जनता दल और ब्र्स्क्र कांग्रेस के नेता भी मौजूद रहे। द्रौपदी मुर्मू ने 4 सेटों में नामांकन दाखिल किया गया। द्रौपदी मुर्मू की राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, ललन सिंह, पशुपति पारस, रेणु देवी और तारकिशोर प्रसाद प्रस्तावक रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले मुर्मू ने संसद में महात्मा गांधी, डॉ अंबेडकर और बिरसा मुंडा की मूर्तियों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। 29 जून को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है।

मुर्मू ने विपक्षी नेताओं को फोन कर मांगा समर्थन:- द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित प्रमुख विपक्षी नेताओं को फोन किया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नामांकन से पहले व्यक्तिगत रूप से सभी से बात की और समर्थन मांगा। हाल तीनों बड़े नेताओं ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले गुरुवार को द्रौपदी मुर्मू पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इसके बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के घर पर राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन के लिए प्रस्तावक और समर्थक के तौर पर नॉमिनेशन पेपर पर हस्ताक्षर किए गए।

द्रौपदी के समर्थन में आए जगन

आंध्र प्रदेश के ष्टरू जगनमोहन रेड्डी ने गुरूवार को ऐलान किया है कि उनकी पार्टी राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी। ष्टरू जगन का मानना है कि मुर्मू का समर्थन करना SC, ST, BC और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधित्व पर हमेशा जोर देने की उनकी विचारधारा के अनुरूप है। जगन बिजी शेड्यूल के कारण मुर्मू द्वारा नामांकन दाखिल करने में शामिल नहीं हो पाएंगे। हालांकि, राज्यसभा सांसद विजयसाई रेड्डी और लोकसभा सांसद मिधुन रेड्डी मौजूद रहेंगे। ओडिशा की बीजू जनता दल पहले ही मुर्मू के समर्थन की घोषणा कर चुकी है। मेघालय जनतांत्रिक गठबंधन ने भी समर्थन करने की घोषणा की है। आरएसएस के एक संगठन अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक करार दिया है।

यूएस सीनेट में गन कंट्रोल बिल पास

30 साल में पहली बार पारित हुआ, अमेरिका में बंदूकों के आतंक पर लगेगी लगाम

वाशिंगटन

अमेरिका में लगातार होने वाली गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए स् सीनेट में गन कंट्रोल बिल पास कर दिया गया है। इस बिल की अमेरिका में लंबे वक्त से मांग उठ रही थी। 30 साल में पहली बार इसे पास किया गया है। अमेरिका में मास शूटिंग की घटनाओं को लेकर लोग काफी समय से प्रदर्शन कर रहे थे। सीनेट में पास होने के बाद अब गन कंट्रोल बिल को अमेरिकी संसद में भेजा जाएगा। संसद में पारित होने के बाद इस पर राष्ट्रपति जो बाइडेन तुरंत ही साइन कर सकते हैं। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बिल के पक्ष में वोट किया

गन कंट्रोल बिल के अमेरिकी संसद में पास होने की पूरी उम्मीद है। हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बिल का विरोध कर चुके हैं। लिहाजा पूरी संभालना है कि रिपब्लिकन पार्टी संसद में इस बिल के खिलाफ मतदान करें, लेकिन संसद में डेमोक्रेट पार्टी के सांसद ज्यादा हैं, इसलिए इस विरोध का असर शायद ही पड़े। सीनेट में भी बिल के पक्ष में 65 वोट पड़े। सभी 50 डेमोक्रेट पार्टी के सांसदों के साथ रिपब्लिकन पार्टी के 15 सांसदों ने भी इसके पक्ष में वोट किया।

इसमें बंदूक खरीदने की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने का प्रावधान है।

सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने और गन खरीदने वालों के बैकग्राउंड की जांच बढ़ाने पर केंद्रित है।

15 गोलियों से ज्यादा की क्षमता वाली मैगजीन की बिक्री पर प्रतिबंध का भी प्रावधान है।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा- गन रखना मौलिक अधिकार

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद भी, कि सार्वजनिक जगहों पर बंदूक लेकर जाना लोगों का अधिकार है, अमेरिकी सीनेट में बंदूक को लेकर बिल पास कर दिया गया। न्यूयॉर्क स्टेट राइफल एंड पिस्टल एसोसिएशन बनाम ब्रुएन केस पर फैसला सुनाते हुए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अमेरिकियों को गन लेकर चलने पर रोक नहीं लगाई जा सकती। न ही इसमें कोई टर्म जोड़ा जा सकता है। गन लेकर चलना अमेरिकियों का मौलिक अधिकार है। गन कंट्रोल बिल जब पास होकर कानून बन जाएगा तो अमेरिका के आम लोगों को बहुत राहत मिलने की उम्मीद है। क्क2 रिसर्च सेंटर के अप्रैल 2021 के सर्वे में करीब आधे अमेरिकी लोगों ने गन वायलेंस, यानी बंदूक से हिंसा को देश के लिए बड़ी समस्या माना था।

न्यूज ब्रीफ

मोदी के मित्र अब्बासभाई के साथ सिडनी से सीधी बात:बोले- हज से हीराबा के लिए जन्नतुल इत्र, पवित्र जमजम का पानी लाया था

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां हीराबेन के 100वें जन्मदिन पर लिखे एक भावनात्मक ब्लॉग में पिताजी के मित्र के बेटे अब्बास का जिक्र किया था। इसी के साथ अब्बास नाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगा। ये अब्बासभाई अभी आस्ट्रेलिया के सिडनी में बेटे के साथ रहते हैं। 20 साल से सिडनी में रह रहे भास्कर के रीडर पराग शाह ने अब्बासभाई से खास बातचीत की। यह पहली बार है जब भास्कर आपको अब्बासभाई से रुबरू करा रहा है। अब्बासभाई ने इस खास बातचीत में कहा, मैं वडनगर के पास केसिम्पा गांव का रहने वाला हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेरे नाम का जिक्र किया, यह बात बिल्कुल सही है। मैं वडनगर में हीराबा के घर पर रह कर पढ़ा हूं। मेरा नाम है अब्बास। आज कल लोग किसी को याद नहीं रखते। ऐसे में नरेन्द्र भाई और हीराबा ने मुझे याद किया, यह मेरे लिए गौरव की बात है।

हज से लौटा तो हीराबा के लिए जमजम का पवित्र पानी लाया था:- अब्बासभाई ने बताया- साल 2014 में मैं हज करने गया था। वहां से लौट कर हीराबा से मिलने गया। हीराबा को उस दिन मैंने जन्नतुल फिरदौस इत्र और वहां से लाया जमजम का पावन पानी दिया था। हीराबा बहुत खुश हुई थीं।

पिताजी के देहांत के बाद हीराबा के पास रहे थे अब्बासभाई:- अब्बासभाई ने कहा- मेरे पिताजी और नरेन्द्र मोदी के पिता दामोदर काका पक्के मित्र थे। मेरा स्कूल वडनगर में था। पिताजी के देहांत के बाद मेरे बड़े भाई ने दामोदर काका से मेरी परेशानी के बारे में बात की। दामोदर काका ने कहा कि अब्बास को मेरे घर भेज दो। मैं उसे अपने घर रख कर पढ़ाऊंगा और ख्याल रखूंगा। मेरे लिए जैसा पंकज वैसा ही अब्बास। नरेन्द्र मोदी के छोटेभाई पंकज मोदी अब्बासभाई के साथ एक ही स्कूल में पढ़ते थे, एक ही क्लास में। इस कारण भी दोनों अच्छे मित्र बन गए। ये मित्रता अब भी जारी है।

हीराबा के पास रहकर मैट्रिक की परीक्षा पास की

अब्बासभाई ने साल 1973-74 में हीराबा के घर पर रह कर मैट्रिक की परीक्षा वडनगर से पास की। उन्होंने बताया- मैट्रिक पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए मैं विसनगर चला गया। बाद में वहां से माणसा और अहमदाबाद में पढ़ाई की। सरकारी नौकरी लगने पर परिवार के साथ स्थायी हो गया। मैं जब हीराबा के घर रहा उससे पहले से ही नरेन्द्र मोदी घर पर नहीं रहते थे। इसलिए उनके साथ बहुत मिलना नहीं हुआ।

मोदी को मिली क्लीन चिट बरकरार

गुजरात दंगों में सुप्रीम कोर्ट ने जकिया की याचिका खारिज की, हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी

नई दिल्ली

2002 गुजरात दंगों में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने वाली एसआईटी रिपोर्ट के खिलाफ याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। यह याचिका जकिया जाफरी ने दाखिल की थी। जकिया जाफरी के पति एहसान जाफरी की इन दंगों में मौत हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जकिया की याचिका में मेरिट नहीं है। 72 साल के एहसान जाफरी कांग्रेस नेता और सांसद थे। उन्हें उत्तरी अहमदाबाद में गुलबर्ग सोसाइटी के उनके घर से निकालकर गुस्साई भीड़ ने मार डाला था। जकिया ने दंगे की साजिश के मामले में मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी थी। मजिस्ट्रेट ने एसआईटी की उस क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया था, जिसमें तत्कालीन ष्टरू नरेंद्र मोदी समेत 63 लोगों को दंगों की साजिश रचने के आरोप से आजाद किया गया था। हाईकोर्ट भी इस फैसले को सही करार दे चुका है। यह मामला जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने सुना।

भारत में वैक्सीन ने 42 लाख लोगों की जान बचाई:लैंसेट का बड़ा दावा; WHO ने कहा था- 2 साल में 47 लाख मौतें हुईं

नई दिल्ली

भारत में कोरोना से हुई मौतों को लेकर मेडिकल जर्नल द लैंसेट ने बड़ा दावा किया है। लैंसेट इनफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, साल 2021 में कोविड वैक्सीन देश में 42 लाख से अधिक मौतें रोकने में सफल रही है। यह स्टडी 8 दिसंबर, 2020 से 8 दिसंबर, 2021 तक देश में अतिरिक्त मृत्यु दर के अनुमानों पर आधारित है। डब्ल्यूएचओ ने जनवरी 2020 से दिसंबर 2021 के बीच देश में 47 लाख मौतों का अनुमान जताया था।

4,80,000	47,00,000
भारत में ऑफिशियल मौतें	असल मौतों की संख्या

वैक्सीन की वजह से दुनियाभर में 2 करोड़ से अधिक लोगों की जान बची है। रिसर्चर्स ने पाया कि वैक्सीनेशन के पहले साल में दुनियाभर में 3.14 करोड़ संभावित मौतों को रोका गया। यह अनुमान 185 देशों में हुई अतिरिक्त मौतों के आधार पर जारी किए गए हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने साल 2021 के अंत तक हर देश की 40 फीसदी आबादी को वैक्सीनेट करने का टारगेट रखा था। स्टडी के मुताबिक, अगर यह टारगेट पूरा हुआ होता तो और दुनियाभर में 5 लाख 99 हजार 300 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। स्टडी में 8 दिसंबर, 2020 से 8 दिसंबर, 2021 के बीच रोकी गई मौतों की संख्या का अनुमान लगाया गया है। यह वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन का पहला साल था। लैंसेट की स्टडी के प्रमुख और लंदन के इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर ओलिवर वॉटसन ने बताया कि भारत में 42.10 लाख मौतें रोकी गईं। हमारा अनुमान 36.65 लाख से 43.70 लाख के बीच था।

एक धक्के से गिर गई दीवार

प्रतापगढ़ में बन रहा था सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, शिकायत मिली तो जांच करने पहुंचे सपा विधायक

प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ में निर्माणाधीन गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज का सपा विधायक आरके वर्मा ने गुरुवार को निरीक्षण किया। इस दौरान 2 दिन पहले बनाई गई दीवार को हाथ लगाया तो वह भरभरा कर गिर गई। विधायक ने निर्माण में घटिया सामानों का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, सरकार युवाओं का भविष्य बनाने का नहीं, बल्कि मौत का इंतजाम कर रही है। जिले के बेलखरनाथ ब्लॉक क्षेत्र के शिवसत गांव में 2 वर्ष से राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया जा रहा है। इस कॉलेज का निर्माण 2 साल से नोएडा की अमरनतोष कंस्ट्रक्शन कंपनी बना रही है। इसके निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने सपा विधायक से शिकायत की थी।

2 दिन पहले ही बनी थी दीवार

निरीक्षण के दौरान विधायक ने 2 दिन पहले बनाई गई दीवार को जब हाथ लगाया तो वह भरभरा कर गिर गई। इसके चलते विधायक ने निर्माण कर रहे मजदूरों और संस्था के कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही, इस मामले की तत्काल शिकायत कर जांच शुरू कराने की मांग की।

ईंट सीमेंट और बालू के लिए गए सैंपल

विधायक की शिकायत पर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता इसकी जांच करने पहुंचे। विधायक के सामने ही अवर अभियंता ने निर्माण में उपयोग हो रहे ईंट, सीमेंट और बालू के सैंपल लिए। निर्माण कार्य में अनियमितता को लेकर विधायक ने हंगामा भी किया।

रूस ने रोका पाकिस्तानी फ्लाइट का रास्ता

क्लीयरेंस फीस नहीं चुकाई तो एयरस्पेस इस्तेमाल नहीं करने दिया, बदलना पड़ा रूट

इस्लामाबाद

आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को इंटरनेशनल फजीहत का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने अभी तक रूस की ओवरफ्लाइंग क्लीयरेंस के फीस का भुगतान नहीं किया है। इस वजह से रूस ने PIA को अपने एयरस्पेस से ओवरफ्लाइंग क्लीयरेंस देने से इनकार कर दिया। इसके बाद इस्लामाबाद से टोरंटो जा रही PIA फ्लाइट को दूसरे रूट से जाना पड़ा। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले फ्लाइट को कराची लाया गया। जहां से वो रूस की जगह यूरोपियन देशों के एयरस्पेस से टोरंटो पहुंची। जिस वक्त यह सारा बखेड़ा हुआ, तब PIA की फ्लाइट PK781 में 250 से ज्यादा पैसेंजर मौजूद थे।

ईरान, तुर्किए और यूरोप का एयरस्पेस इस्तेमाल करेंगे

क्क्ब्ह के प्रवक्ता कहना है कि इंटरनेशनल प्रतिबंधों की वजह से रूस को पेमेंट ट्रांसफर करने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से PIA दूसरा रास्ता चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। अब इस्लामाबाद से टोरंटो के लिए PIA ईरान, तुर्किए और यूरोप के एयरस्पेस का इस्तेमाल करेगी।

रूस का PIA को ओवरफ्लाइंग क्लीयरेंस देने से इनकार

इस्लामाबाद से टोरंटो जा रही PIA की फ्लाइट थी

फ्लाइट में 250 से ज्यादा पैसेंजर मौजूद थे

पाकिस्तान आर्थिक बदहाली के सबसे बुरे दौरे में

सोशल मीडिया पर यूजर्स अब पाकिस्तानी सरकार से पूछ रहे हैं कि आखिर इस शर्मनाक स्थिति की वजह क्या है। इस वक्त पाकिस्तान ऐतिहासिक आर्थिक संकट में घिरा हुआ है। देश के पास बहुत कम फॉरेन रिजर्व बचा है। महंगाई 13.8 फीसदी पर आ गई है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया पिछले एक महीने में 186 से 202 तक गिर गया। पाकिस्तान सरकार आर्थिक संकट से निपटने के लिए हर दिन अलग-अलग फैसले ले रही है। पावर कट की परेशानी से निपटने के लिए पाकिस्तान सरकार ने गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के मुताबिक, रात नौ बजे के बाद शहर में धारा 144 लगाई जाएगी। हालांकि मैरिज हॉल रात 10 बजे तक खुले रहेंगे।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

रणजी फाइनल में मप्र की वापसी : ओपनर यश दुबे और शुभम शर्मा ने जमाए शतक

नई दिल्ली। रणजी में फाइनल का रोमांच बरकरार है। कभी मप्र का पलड़ा भारी हो रहा है तो कभी मुंबई का। दोनों ही टीमें पूरा जोर लगा रही हैं। पांच दिनी मुकाबले के तीसरे दिन मध्यप्रदेश जबर्दस्त वापसी कर रहा है। उसने शुक्रवार को लंच के बाद अपनी पहली पारी में खबर लिखे जाने तक एक विकेट पर 250 रन बना लिए हैं। स्क्क की ओर से ओपनर यश दुबे (109*) और शुभम शर्मा (100*) शतक जमा चुके हैं। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 203 रन की पार्टनरशिप हो चुकी है। हालांकि, टीम अब भी 124 रन से पीछे है। मप्र ने दिन की शुरुआत 123/1 के स्कोर से की। यश दुबे ने 44 और शुभम शर्मा ने 41 रन से अपने निजी स्कोर को आगे बढ़ाया। इससे पहले हिमांशु मंत्री 31 रन बनाकर तुषार देशपांडे की गेंद पर स्क्व्ड्ड आउट हुए।

मुंबई पहली पारी में 374 रन पर आउट:- ूसरा दिन मुंबई के नाम रहा। उसकी ओर से सरफराज खान ने शतक जमाते हुए अपनी टीम का स्कोर 374 रन पहुंचाया। सरफराज खान ने शानदार जमाते हुए 134 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 243 गेंदों का सामना किया। इसमें 13 चौके और 2 छक्के शामिल है। 24 साल के सरफराज ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का आठवां शतक जमाया है। पिछली 14 रणजी पारियों में सरफराज एक तिहरा शतक, दो दोहरे शतक, चार शतक और तीन अर्धशतक जमाए हैं।

गौरव को चार, अनुभव को दो विकेट:- दूसरे दिन मध्यप्रदेश के गेंदबाजों ने भी दबाव बनाए रखा। उन्होंने सरफराज को खुलकर नहीं खेलने दिया। गौरव यादव ने चार, अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिए।

पहले दिन मुंबई की अच्छी शुरुआत के बाद मप्र ने वापसी की थी:- पृथ्वी शॉ और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को अच्छी शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 87 रन जोड़े। शॉ 79 बॉल पर 5 चौके और एक छक्का जमाने के बाद मीडियम पेसर अनुभव अग्रवाल की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद जायसवाल ने अरमान जाफर के साथ मिलकर मुंबई को 100 रन के पार पहुंचाया।

मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप : क्वार्टर फाइनल में बॉतिस्ता आगुट से हारे मेदवेदेव

पाल्मा। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए जिससे उनका इस सत्र में घसियाले कोर्ट पर खिताब जीतने का सपना टूट गया। विश्व में 20वीं रैंकिंग के बॉतिस्ता आगुट ने मेदवेदेव 6-3, 6-2 से हराया। रूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध के कारण मेदवेदेव विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे। स्पेन के बॉतिस्ता आगुट की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ यह चौथी जीत है। उन्होंने पिछली तीन जीत नोवाक जोकोविच के खिलाफ दर्ज की थी। बॉतिस्ता आगुट सेमीफाइनल में 303वीं रैंकिंग के स्विस क्वालीफायर एंटोनी बेलियर से भिड़ेंगे, जिन्होंने नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर को 5-7, 7-6 (5), 6-2 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास ने एक अन्य मैच में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को ढाई घंटे से अधिक समय में 7-6 (5), 4-6, 6-3 से पराजित किया। यूनान के इस खिलाड़ी का सामना अब फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी से होगा, जिन्होंने जर्मनी के डेनियल अल्तमेयर को 6-3, 6-4 से हराया।

भारत बनाएगा साल में सबसे ज्यादा टी-20 का वर्ल्ड रिकॉर्ड

» 2022 में कम से कम 34 मैच खेलेगी टीम इंडिया, पाक को पीछे छोड़ेगी

नई दिल्ली

क्रिकेट की दुनिया में ज्ञ20 का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ढ्ढक्क में टीमों और मैचों की संख्या बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर अब भारतीय टीम भी इस फॉर्मेट में पहले से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने लगी है। 2022 में भारत एक साल में सबसे ज्यादा ज्ञ20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। फिलहाल यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम है जो साल के अंत तक टूट जाएगा। इस साल अब तक 11 मुकाबले खेल चुकी है टीम, कम से कम 23 बाकी

यह ज्ञ20 वर्ल्ड कप का साल है। इस कारण इस फॉर्मेट के मैचों की संख्या और भी ज्यादा रहने वाली है। टीम इंडिया 2022 में अब तक 11 ज्ञ20 इंटरनेशनल खेल चुकी है। आगे का जो शेड्यूल है उसके मुताबिक भारत को कम से कम 23 मैच और खेलने हैं। यानी, इस साल के अंत तक भारतीय टीम हर हाल में 34 मैच खेल लेगी और पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ देगी। पाकिस्तान ने पिछले साल 29 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल कर रिकॉर्ड बनाया था।

वर्ल्ड कप तक मैचों की भरमार

भारत ने इस साल अब तक साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 और श्रीलंका व वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-2 मैच खेले हैं। टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज खेलने वाली है। इसके बाद जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में 3 टी-20 मैचों की सीरीज होगी। जुलाई के आखिर से भारत को वेस्टइंडीज दौरे पर भी 5 टी20 इंटरनेशनल खेलने हैं।

एशिया कप में होंगे कम से कम 5 मुकाबले

अगस्त-सितंबर में श्रीलंका में एशिया कप का आयोजन होना है। 2018 में एशिया कप वनडे फॉर्मेट में हुआ था। लेकिन, इस बार वर्ल्ड कप देखते हुए ज्ञ20 फॉर्मेट में आयोजत होगा। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में कम से कम 5 मैच खेलेगी। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है मैचों की संख्या 6 हो जाएगी।

भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, फिर ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड कप

सितंबर में ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलने भारत दौरे पर आएगी। इसके बाद दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए रवाना होंगी। वर्ल्ड कप में अगर टीम इंडिया नॉकआउट राउंड में नहीं भी पहुंचती है तो भी उसे कम से कम 5 मैच खेलने हैं।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर मैचों की संख्या 6 और फाइनल में पहुंचने पर मैचों की संख्या 7 हो जाएगी। इस तरह वर्ल्ड कप तक होने वाले तमाम मुकाबलों को जोड़ें तो भारत को साल 2022 में कम से 34 मैच खेलने हैं। टीम अगर एशिया कप और वर्ल्ड कप दोनों के फाइनल तक पहुंचती है तो मैचों की संख्या 37 हो जाएगी।

बात यहीं खत्म नहीं होती है।

बीसीसीआई वर्ल्ड कप से पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ जिम्बाब्वे में भी सीरीज खेलने की योजना बना रही है। मुमकिन है कि उस सीरीज में सीनियर प्लेयर्स न जाएं। अगर यह सीरीज होती है तो 2022 में भारत के टी20 मैचों की संख्या और बढ़ जाएगी।

भारत के खिलाफ़ सफ़ेद गेंद की सीरीज़ नहीं खेलेंगे रशीद

लंदन

आदिल रशीद भारत के ख़िलाफ़ इंग्लैंड की सफेद गेंद की श्रृंखला और यॉर्कशायर की तरफ़ से टी 20 ब्लास्ट के कुछ मैच नहीं खेलेंगे। उस दौरान वह हज यात्रा पर जाएंगे। रशीद मुस्लिम समुदाय से हैं और उन्होंने इस साल की शुरुआत में फ़ैसला किया था कि वह तीर्थ यात्रा पर जाएंगे। इसके लिए उन्होंने छुट्टी मांगी थी, जिसे ईसीबी और यॉर्कशायर ने मान लिया है। वह शनिवार को मध्य पूर्व के लिए उड़ान भरेंगे। उम्मीद है कि रशीद अपने तीर्थ यात्रा से जुलाई के मध्य तक लौट आएंगे। सभी वयस्क मुसलमानों से अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार तीर्थ यात्रा करने की अपेक्षा की जाती है। अगर वे शारीरिक रूप से सक्षम हैं और उनके पास वित्तीय साधन हैं तो वह इस तीर्थ यात्रा पर कम से कम एक बार जा सकते हैं रशीद ने ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से कहा, मैं पिछले कुछ समय से तीर्थ यात्रा पर जाना चाह रहा था लेकिन व्यस्त रहने के कारण इसके लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा था। नीदरलैंड के ख़िलाफ़ 3-0 वनडे श्रृंखला में मिली जीत के बाद रशीद ने कहा, मैंने इसके बारे में ईसीबी और यॉर्कशायर से बात की और उन्होंने मेरे आग्रह को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि आप जो भी करना चाहते हैं करें और जब यह पूरा हो जाए तो वापस आ जाएं। यह एक बड़ा क्षण है- प्रत्येक धर्म के अपने अलग-अलग नियम होते हैं लेकिन इस्लाम के लिए और एक मुसलमान होने के नाते, यह सबसे बड़ी चीज़ों में से एक है। यह मेरे विश्वास और मेरे लिए एक बड़ी बात है। हम सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि और अलग-अलग देशों से हैं - यह एक बहुत ही विविध टीम है लेकिन हर कोई एक-दूसरे का बड़े पैमाने पर सम्मान करता है।

भारत की महिला तीरंदाजों का कमाल, तुर्की को हराकर वर्ल्ड कप स्टेज-3 के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

» गोल्ड के लिए ताइवान से होगी भिड़ंत

भोपाल

भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम पेरिस में चल रहे वर्ल्ड कप स्टेज 3 के फाइनल में पहुंच गई है। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और सिमरनजीत कौर की भारतीय तिकड़ी ने सेमीफाइनल में तुर्की की गुलनाज कोस्कुन, एजागी बसारन और यास्मिन आंगोज की टीम को 5-3 से हराया। गोल्ड मेडल मैच में भारत का सामना ताइवान से होगा।

भारतीय महिला टीम ने पिछले साल इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। तुर्की की टीम क्वार्टर फाइनल में गोल्ड मेडल की दावेदार साउथ कोरिया को हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

क्वालिफाइंग में कमजोर प्रदर्शन से हुई शुरुआत

भारतीय महिला टीम ने क्वालिफाइंग राउंड में कमजोर प्रदर्शन किया था। इस कारण टीम को 13वीं वरीयता मिली। पहले राउंड में भारत का सामना यूक्रेन से हुआ। इस मैच में भारत ने 5-1 से एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की। पहले दो सेट में भारत ने 57-53 और 57-54 जीत हासिल की। तीसरा सेट 55-55 की बराबरी पर रहा। एक सेट जीतने पर दो पॉइंट्स मिलते हैं।

बदला नजर आएगा सबसे प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैंम विम्बलडन

रविवार को भी होंगे मैच, सेंटर-मेन शो कोर्ट पर प्रैक्टिस कर सकेंगे टॉप सीड

नई दिल्ली

हरे-भरे कोर्ट, स्ट्रॉबेरी-क्रीम, सफेद कपड़े... यह विम्बलडन की अलग पहचान है, लेकिन, 27 जून से होने वाले ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम में कुछ बदलाव भी हैं। दुनिया के इस सबसे पुराने और प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में इस बार कुछ परंपराएं टूटती नजर आएंगी। रविवार को भी मैच खेले जाएंगे, जबकि सेंटर कोर्ट व कोर्ट नंबर-1 पर खिलाड़ी प्रैक्टिस भी कर सकेंगे। इसके अलावा इस ग्रैंड स्लैम के सबसे सफल खिलाड़ी रोजर फेडरर अपने करिअर में पहली बार विम्बलडन में नहीं खेलेंगे। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के कारण ऑल इंग्लैंड टेनिस क्लब ने रूस-बेलारूस के खिलाड़ियों के खेलने पर बैन लगाया है। इस कारण ATP और WTA ने टूर्नामेंट से रैंकिंग पॉइंट छीन लिए।

पहली बार विम्बलडन के बीच में ब्रेक नहीं होगा, सभी 14 दिन मैच होंगे:- पहली बार विम्बलडन में मध्य रविवार को ब्रेक नहीं होगा। सभी 14 दिन मुकाबले खेले जाएंगे। इससे पहले तक, विम्बलडन शुरू होने के पहले हफ्ते और दूसरे हफ्ते के बीच में आने वाले रविवार को आमतौर पर मैच नहीं होते थे। मैच तभी खेले जाते थे जब मौसम खराब होने के कारण पहले कुछ मैच नहीं हो सके हों। टूर्नामेंट के 145 साल के इतिहास में सिर्फ चार मौकों पर ऐसा हुआ, जब मिडिल संडे को मैच हुए। ऐसा करने से ब्रॉडकास्टर्स और आयोजकों को ज्यादा कमाई की उम्मीद है।

सेंटर कोर्ट पर मैच खेलने के अलावा भी उतरेंगे खिलाड़ी:- शीर्ष खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित सेंटर कोर्ट और मुख्य शो कोर्ट (कोर्ट-1) पर प्रैक्टिस करने की अनुमति होगी। इससे पहले, वे इस ग्रास कोर्ट पर तभी जा पाते थे, जब चैंपियनशिप के दौरान उनका मैच होता था।

जब पूल में बेहोश होकर डूबने लगी अमेरिकन स्विमर अल्वारेज

वाशिंगटन। कहते हैं मारने वाले से बचाने वाला हमेशा बड़ा होता है और यदि वह जिंदगी बचा ले तो उसे भगवान ही कहेंगे। गुरुवार को कोच आंद्रेया फुएनटेस अपनी ट्रेनी के लिए भगवान बनीं और उनकी जिंदगी बचाई। यह पूरा वाक्या हुआ वर्ल्ड एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में हुआ। बुडापेस्ट में चल रही इस प्रतियोगिता के सोलो फ्री का फाइनल चल रहा था। इसमें 25 साल की अमेरिकी आर्टिस्टिक स्विमर एनिटा अल्वारेज परफॉर्म कर रही थीं। इसी दैरान वे अचानक बेहोश हो गईं और डूबने जाने लगीं। उनकी सांस नहीं चल रही थी। तुरंत उनकी कोच आंद्रेया फुएनटेस ने पानी में छलांग लगा दी और उनको बाहर निकालकर लाईं। हालांकि, अल्वारेज को जल्द ही होश आ गया और उन्हें तुरंत मेडिकल ट्रीटमेंट दिया गया। अब वे ठीक हैं। स्र स्विम टीम ने बयान जारी कर कहा कि अल्वारेज अब अच्छा महसूस कर रही हैं। डॉक्टर्स ने उनकी जांच की और सब कुछ सामान्य है। इस पूरे वाकये को देख पूरी अमेरिकी टीम सहम गई है

भारतीय महिला टीम की आसान जीत

पहले टी-20 में श्रीलंका को 34 रन से हराया, जेमाइमा बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन टी-20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को 34 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 138 रन बनाए। जेमाइमा रो़ड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 22 रनों की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 104 रन ही बना सकी। कविशा दिलहारी ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। भारत की ओर से राधा यादव ने दो विकेट लिए। दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्रकार और शेफाली बर्मा ने 1-1 विकेट लिया। सीरीज का दूसरा मुकाबला 25 जून को खेला जाएगा।

भारत के दो विकेट 17 रन पर गिर गए थे

इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और दो विकेट सिर्फ 17 रन के स्कोर पर गिर गए थे। स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गईं। सभिनेनी मेघना बिना खाता खोले पवेलियन लौट गईं। दोनों विकेट ओशादी रानासिंघे ने लिए। शेफाली वर्मा 31 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके जमाए।

शेफाली के आउट होने के पांच गेंद बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर भी पवेलियन लौट गईं। हरमनप्रीत ने 20 गेंदों पर तीन चौके की मदद से 22 रन बनाए।

अंत तक आउट नहीं हुईं जेमाइमा

58 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा देने के बाद जेमाइमा ने भारतीय पारी को संभाला। उन्होंने 27 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का की मदद से 36 रन बनाए और अंत तक आउट नहीं हुईं। अन्य बल्लेबाजों में रिचा घोष ने 11, पूजा वस्त्रकार 14 और दीप्ति शर्मा ने 17 रन बनाए।

अजीबो-गरीब तरीके से आउट हुए निकोलसऱ्बॉल नॉन स्ट्राइकर के बैट से टकराकर मिडऑफ पर लीस के हाथ पर गई, बॉलर लीच को भरोसा ही नहीं हुआ

लंदन

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच चल रहे तीसरे टेस्ट मुकाबले में गजब का विकेट देखने को मिला, जिस पर गेंदबाज को भी भरोसा नहीं हुआ। बल्लेबाज भी थोड़ी देर कुछ नहीं समझ पाया। न्यूजीलैंड की पहली पारी के 56वें ओवर में इंग्लैंड की ओर से जैक लीच गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की दूसरी बॉल पर हेनरी निकोलस ने स्ट्रेट शॉट खेला और बॉल नॉन स्ट्राइकर डेरिल मिशेल के बल्ले से टकराई और मिडऑफ की दिशा में चली गई, जिसे लीस ने कैच कर लिया। ये सब इतनी जल्दी हुआ कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। पहले तो खुद लीच भी नहीं समझ सके। बाद में उन्हें पूरा मामला समझ आया।

पहले दिन कीवी टीम 200+ पार

तीसरे टेस्ट में कीवी टीम ने मजबूत शुरुआत की है। उसने पहले दिन गुरुवार को पहली पारी में पांच विकेट पर 225 रन बना लिए हैं। डेरिल मिशेल 78 और टॉम ब्लंडेल 45 रन पर नाबाद लौटे।

लीज बोले- विकेट का यह तरीका पसंद नहीं आया:- इस विकेट पर जैक लीच ने प्रतिक्रिया देते हुआ कहा, %विकेट मिलने का यह तरीका पसंद नहीं आया। हालांकि, यह मेरे लिए बहुत लकी था।% उन्हें लगा कि वह विकेट के हकदार नहीं हैं। हालाँकि, बाएं हाथ के स्पिनर ने यह भी कहा कि विकेट मिलने से पहले उन्होंने काफी कसी हुई गेंदबाजी की थी। लीच ने कहा, मुझे यह भी नहीं पता था कि इसकी अनुमति है या नहीं। मुझे वास्तव में इस तरह आउट करना पसंद है नहीं है, लेकिन मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने निकोल्स को बहुत अच्छी गेंदबाजी की और इसी वजह से वहां तक पहुंचा। आपको बस इसे स्वीकार करना होगा। यह एक मूर्खतापूर्ण खेल है, है ना इसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया। यह एक बेवकूफी भरा खेल है जिसे हम खेलते हैं।

जैक लीच ने पहले दिन 30 ओवर की गेंदबाजी में 75 रन खर्च किये और दो विकेट लिए। उन्होंने विल यंग को 20 रन के निजी स्कोर पर स्क्व्ड्ड आउट किया था। इसके बाद उन्हें निकोलस का विकेट मिला।

टाटा ई-नेक्सन में आग, सरकार ने दिए जांच के आदेश

मुंबई

भारत के इलेक्ट्रिक-कार बाजार में पहली बार कदम रखने वाले टाटा नेक्सन ईवी में कल शाम मुंबई के एक उपनगरीय इलाके में आग लग गई। हालांकि इससे पहले इलेक्ट्रिक-दोपहिया वाहनों के ब्रांडों से जुड़ी कई आग दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन यह पहली बार है जब एक ई-कार आग की लपटों में पूरी तरह जल गई। टाटा मोटर्स ने कहा कि वह घटना की जांच कर रही है और वह सुरक्षा के सभी पहलुओं को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आग लगने की अलग-अलग घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है जिन घटनाओं का जिक्र सोशल मीडिया पर किया जा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि टाटा मोटर्स ने जनवरी 2020 में मॉडल की बिक्री की शुरुआत के बाद से ई-नेक्सन की 30,000 गाड़ियां बेची हैं और इन गाड़ियों ने कुल 10 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर भी इस तरह की घटनाएं अनसुनी नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े पैमाने पर ई-कार की बिक्री करने वाली कंपनी ने भी यह पाया है कि वर्ष 2012-21 से लगभग 21 किलोमीटर की यात्रा करने वाली गाड़ियों में से एक वाहन में आग लग गई है। वर्ष 2013 से 2022 की पहली तिमाही तक टेस्ला और क्लीनटेक्निका से मिले आंकड़ों के अनुसार, टेस्ला ने 29 लाख से अधिक ई-कारों की बिक्री की है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो नैशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन (एनएफपीए) और अमेरिका के परिवहन विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में हर 1.9 करोड़ मील की यात्रा के बाद एक वाहन में आग लग जाती है। वर्ष 2022 की पहली तिमाही में चीन में कुछ 640 इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लग गई जो 32 प्रतिशत की सालाना वृद्धि को दर्शाता है जो रोजाना औसतन 7 इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के बराबर का आंकड़ा है। ये आंकड़े कारन्यूजचाइना डॉट कॉम के इस साल 3 अप्रैल को आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय के चीनी अग्निशमन और बचाव विभाग द्वारा जारी आंकड़ों पर आधारित हैं। चाहे वह वैश्विक बाजार की प्रमुख कंपनी टेस्ला मोटर्स, बीवाईडी या चीन में पुरानी वाहन निर्माता कंपनी हों आग की घटनाओं ने दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में सभी को डरा दिया है। बताया जाता है कि दो महीने पहले खरीदी गई ई-नेक्सन कार के मालिक को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन धुआं निकलता देख वह कंपनी के कॉल सेंटर पहुंचे।

टोयोटा, सुजुकी उत्पादन के क्षेत्र में साझेदारी का विस्तार करेंगे

नई दिल्ली

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा और सुजुकी ने शुक्रवार को कहा कि वे भारत में विकास और उत्पादन के क्षेत्रों में सहयोग और बढ़ाऐंगे। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इस पहल के तहत दोनों कंपनियां सुजुकी द्वारा विकसित नई एसयूवी का उत्पादन इस वर्ष अगस्त माह से टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) में शुरू करेंगी। सुजुकी की भारतीय इकाई मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और टीकेएम भारत में इन नए मॉडलों को बाजार में क्रमश- सुजुकी और टोयोटा मॉडल की तरह उतारेंगी। बयान में कहा गया, ''इसके अलावा दोनों कंपनियां नए मॉडलों को भारत के बाहर के बाजारों में निर्यात करने की योजना बना रही है, जिनमें अफ्रीका के बाजार भी शामिल हैं।'' टोयोटा के अध्यक्ष अकियो तोयोदा ने कहा, ''हम सुजुकी के साथ नई एसयूवी की घोषणा करते हैं।'' सुजुकी के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि टीकेएम में नई एसयूसी विनिर्माण की परियोजना भारत की वृद्धि में योगदान देगी।

न्यूज ब्रीफ

सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में इस कंपनी के 5 ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की एक पैकेजिंग कंपनी रेवा स्केन्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में शुक्रवार को दिल्ली में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी के खिलाफ बैंकों के संघ से कथित तौर पर 69.33 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। इसमें बैंक ने आरोप लगाया कि कंपनी के वित्त में गंभीर अनियमितताएं हैं मसलन धन की हेराफेरी, बहीखातों में गड़बड़ी और जालसाजी तथा ऐसा करके कंपनी ने 2011 से 2016 के बीच बैंकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने कंपनी के पूर्व निदेशकों से जुड़े दिल्ली स्थित परिसरों पर छापेमारी की।

रुपये में रिकॉर्ड निचले स्तर से सुधार, डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की तेजी

नई दिल्ली। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से सुधार दर्ज करते हुए नौ पैसे की बढ़त के साथ 78.23 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 78.26 पर खुला, और फिर तेजी के साथ 78.23 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की तेजी को दर्शाता है। रुपया बुधवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 78.32 पर आ गया था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.14 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 2.17 प्रतिशत गिरकर 109.32 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शुद्ध रूप से 2,920.61 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सोने व कीमती रत्नों के लिए

ई-वे बिल को अनिवार्य बनाने पर विचार करेगी जीएसटी काउंसिल

बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य ई-इनवॉइसिंग के दायरे को भी बढ़ाया जा सकता है। जीएसटी काउंसिल इस बैठक में ई-वे बिल पर राज्यों के वित्त मंत्रियों के पैनल की रिपोर्ट पर विचार कर सकती है।

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुआई में 28-29 जून को जीएसटी काउंसिल की बैठक होने वाली है। इस बैठक में 2 लाख रुपए या उससे अधिक कीमत के सोने व अन्य रत्नों की एक राज्य के अंदर आवाजाही के लिए ई-वे बिल को अनिवार्य किए जाने पर विचार हो सकता है। इसके अलावा बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य ई-इनवॉइसिंग के दायरे को भी बढ़ाया जा सकता है। जीएसटी काउंसिल इस बैठक में ई-वे बिल पर राज्यों के वित्त मंत्रियों के पैनल की रिपोर्ट पर विचार कर सकती है। पैनल ने ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है।

20 करोड़ से अधिक के टर्नओवर पर ई-इनवॉइसिंग:- वित्त मंत्रियों के पैनल ने सुझाव दिया है कि सोने व कीमती रत्नों का व्यापार करने वाले सभी टैक्सपेयर और सालान 20 करोड़ रुपए से ज्यादा का टर्नओवर करने वाले सभी व्यापारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य किया जाना चाहिए। सुझाव में कहा गया है कि जीएसटी नेटवर्क ई-इनवॉइसिंग के कार्यान्वयन को लेकर तौर-तरीकों और समयसीमा तय करेगा। वर्तमान में 50 करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाले कारोबारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन पर ई-इनवॉइस अनिवार्य है।

ई-वे बिल पर फैसला राज्यों को दें:- मंत्रियों के पैनल ने यह भी सुझाव दिया है कि राज्यों के भीतर सोने व रत्नों की आवाजाही के लिए ई-वे बिल की अनिवार्यता को तय करने का अधिकार राज्य सरकारों को ही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि ई-वे बिल के लिए न्यूनतम 2 लाख रुपए के रत्न व सोने की आवाजाही होनी चाहिए। राज्य इससे अधिक या इतनी ही न्यूनतम रकम ई-वे बिल की अनिवार्यता के लिए तय कर सकते हैं।

जेट एयरवेज ने परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं, पूर्व कर्मियों को बुलाया

नई दिल्ली

विमानन कंपनी जेट एयरवेज ने शुक्रवार को परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं और अपने केबिन क्रू के पूर्व सदस्यों को एयरलाइन में लौटने को कहा। विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 मई को एयरलाइन को वाणिज्यिक हवाई परिचालन बहाल करने की इजाजत दी थी। एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव कपूर ने ट्वीट किया, ''हमारी परिचालन नियुक्तियां शुरू हो गई हैं जिसमें हमने जेट के पूर्व कर्मियों को वापस बुलाया है। आने वाले दिनों में पायलट और इंजीनियरों की नियुक्तियां शुरू करेंगे।'' एयरलाइन का वाणिज्यिक हवाई परिचालन जुलाई-सितंबर तिमाही में शुरू हो सकता है। फिलहाल एयरलाइन ने केवल महिला क्रू सदस्यों को ही वापस बुलाया है।

कंपनियों की मांग से छाता उद्योग के फैले पंख

नई दिल्ली

पिछले दो साल से कोरोना के कहर से अधखुली छतरी इस बार पूरी तरह पंख फैलाने को तैयार है। बेहतर मॉनसून तथा स्कूल और दफ्तर पूरी तरह खुलने की वजह से इस बार छतरी इतराने को बेताब है। छतरी के पंखों पर सवार होकर छोटी-बड़ी कंपनियां भी बाजार में फैलना चाह रही हैं। बाजार में चीनी छतरियों के नदारद होने और मांग के मुताबिक आपूर्ति न होने के कारण छतरी पर भी महंगाई की मार पड़ी है। देश में मॉनसूनी फुहार शुरू होते ही रंग बिरंगी छतरियों का बाजार सज गया। मॉनसून की आहट आते ही बाजार में छतरियों की मांग इस कदर बढ़ी जिसकी कारोबारियों को भी उम्मीद नहीं थी। अंब्रेला मैन्युफैक्चरर्स ऐंड ट्रेडर्स एसोसिएशन, मुंबई के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र जैन कहते हैं कि इस बार सबसे ज्यादा मांग कॉर्पोरेट सेक्टर की तरफ से हो रही है। सामान्यत: बाजार की कुल मांग का एक-दो फीसदी छतरियां उद्योग घराने खरीदते थे लेकिन इस बार यह मांग 6-7 फीसदी तक पहुंच गई है। दो साल बाद स्कूल-कॉलेज और दफ्तर भी पूरी तरह खुल गए हैं जिसके चलते थोक मांग के साथ रिटेल मांग भी तेज रहने वाली है। उनके मुताबिक शुरुआती मांग को देखकर कहा जा सकता है कि छतरियों की मांग को पूरा कर पाना मुश्किल है। बाजार में छतिरयों की कमी पर कारोबारियों का कहना है कि कोरोना के चलते पिछले दो साल छतरी कारोबार के लिए बहुत बुरा था। उत्पादक इकाइयों को डर था कि कहीं इस बार भी ऐसा ही हाल न हो इसलिए शुरुआत में उत्पादन पर खास ध्यान नहीं दिया गया, कंपनियों ने जनवरी से उत्पादन शुरू किया। इस बीच चीन में कोरोना दोबारा फैलने से छतरी व छतरी तैयार में होने में लगने वाले सामान का आयात बाधित हो गया जिसके कारण उत्पादन कम हुआ। छतरी तैयार करने में लगने वाले सामान पर आयात शुल्क बढ़ने व ईंधन की कीमतें महंगी होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ी, जिसके कारण छतरियों के दाम 25-30 फीसदी तक अधिक हो गए।

ओयो होटल में रुकने पर छोटे व्यवसायों से जुड़े लोगों को मिलेगी 60 फीसदी छूट

नई दिल्ली। यात्रा एवं आतिथ्य मंच ओयो ने शुक्रवार को घोषणा की कि छोटे व्यवसायों से संबंधित लोगों को उससे जुड़े होटलों में रुकने पर एक सीमित समय के लिए शुल्क में 60 फीसदी की छूट मिलेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह सुविधा छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों के लिए है और इसकी घोषणा विश्व एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) दिवस के अवसर पर की गई है। इसमें कहा गया कि इस श्रेणी के व्यवसाय से जुड़े लोगों को 27 जून से 3 जुलाई, 2022 तक ओयो होटलों में रुकने पर 60 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह छूट देशभर में ओयो की करीब 2,000 संपत्तियों में 10,000 से अधिक कमरों पर दी जा रही है।

पेनी स्टॉक में रिस्क, पर रिटर्न भी : कैसर कॉर्पोरेशन ने 6 महीने में 2700 फीसदी का मुनाफा दिया

नई दिल्ली

रिस्क है तो इश्क है... ये डॉयलॉग आपने वेबसीरीज स्कैम 1992 में सुना होगा। पेनी स्टॉक भी कुछ ऐसे ही होते हैं। जितना रिस्क उठाओगे उतना ज्यादा रिटर्न मिलेगा। पेनी स्टॉक छोटी कंपनियों के स्टॉक्स को कहते हैं। इनकी कीमत बहुत कम होती है। भारत में 10 रुपए से कम कीमत वाले स्टॉक्स को पेनी स्टॉक्स कहते हैं। ऐसे स्टॉक्स की लिक्विडिटी कम होती है, यानी बाजार में इन स्टॉक्स के खरीदार ज्यादा नहीं होते। पेनी स्टॉक्स को खरीदना बहुत रिस्की होता है। हालांकि, ये स्टॉक्स हाई रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। जैसे कैसर

कॉर्पोरेशन के स्टॉक में इस साल लगभग 2700 फीसदी का रिटर्न दिया है। यानी, अगर आप 6 महीने पहले इस स्टॉक में 1 लाख रुपए का निवेश करते तो ये 27 लाख रुपए बन जाते। तो चलिए जानते हैं पेनी स्टॉक के बारे में विस्तार से...

क्यों रिस्की है पेनी स्टॉक:- पेनी स्टॉक से जुड़ी कंपनियां छोटी होती हैं। इनके बारे में पता लगाना और जानकारियां इक्ट्ठा करना बहुत मुश्किल होता है और बिना किसी जानकारी ऐसे स्टॉक्स में इन्वेस्ट करना रिस्की होता है। ऐसे सटॉक्स की लिक्विडिटी भी कम होती है। यानी, बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध शेयर सीमित होते है। पेनी स्टॉक कंपनियों के कम बाजार पूंजीकरण और कम लिक्विडिटी के कारण इसकी कीमत में हेरफेर आसान होता है। इंवेस्टर्स कई बार फर्जीवाड़े का शिकार हो जाते हैं। ऑपरेटर कम दाम में एक साथ ज्यादा शेयर खरीद लेते हैं जिसके चलते शेयर के दाम बढ़ने लगते हैं। शेयर के दाम बढ़ते देख रिटेल निवेशक इसमें एंट्री करते हैं। दाम ज्यादा बढ़ने के बाद ऑपरेटर शेयर बेच देते हैं।

पेनी स्टॉक खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान:- कंपनी के बारे में रिसर्च- किसी भी कंपनी के स्टॉक्स खरीदने से पहले उस कंपनी के बारे में अच्छे से रिसर्च करें। ये कंपनियां बहुत छोटी होती हैं। इनके बारे में जानकारियां अवेलेबल नहीं होती। कंपनी के फ्यूचर ग्रोथ, प्रोडक्ट, परफॉर्मेंस और बैकग्राउंड को जानने के बाद ही स्टॉक्स खरीदें।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)